दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-13, अंक -314 जबलपुर, सोमवार 13 जनवरी 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

मध्यप्रदेश में स्वामी विवेकानंद जयंती पर सामूहिक सूर्य नमस्कार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया योग

स्वामी विवेकानंद के विचार मात्र से ही राष्ट्र भक्ति और युवा शक्ति की होती है अनुभूति-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

युवा दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया स्वामी विवेकानंद पर बनी दुनिया की सबसे बड़ी 3-डी रंगोली का अनावरण

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युग प्रवर्तक, युग प्रणेता और चिर युवा स्वामी विवेकानंद के विचार मात्र से ही राष्ट्र भक्ति और युवा शक्ति की अनुभूति होती है। स्वामी विवेकानंद ने सनातन संस्कृति, सभ्यता और भारतीय दर्शन को जिस प्रकार विश्व में स्थापित किया वह आज भी हम भारतीयों को गौरवान्वित करता है। उनका उठो-जागो और तब तक मत रूको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो का संदेश परमात्मा द्वारा व्यक्ति को प्रदान किए गए असीम ऊर्जा के भण्डार का अनुभव कराकर अपने स्वप्न और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्राण-प्रण से प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रभावी नेतृत्व और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप स्वामी विवेकानंद की भविष्य वाणी कि 21 वीं सदी भारत की होगी को हम चरितार्थ होते हुए देखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस पर भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ, इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद का रिकॉर्डेड ऑडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार तथा सूर्य नमस्कार के तीन चक्र और प्राणायाम के अंतर्गत अनुलोम-विलोम-भ्रामरी -भर्त्सिका आदि योग किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में 10 सुखों का उल्लेख है, जिसमें पहला सुख निरोगी काया को माना गया है और निरोगी काया प्राप्त करने का श्रेष्ठतम मार्ग योग है। इसी आधार पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के साथ सूर्य नमस्कार को जोड़कर स्वयं को स्वस्थ रहने की प्रेरणा दी है। सूर्य ही ऊर्जा का स्रोत है और इस ऊर्जा के साथ योग की पद्धति को जोड़ने से स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन का मार्ग प्रशस्त होता है। भारतीय संस्कृति में प्रमुख खगोलीय घटनाओं को तीज त्योहार के माध्यम से दिन प्रतिदिन के जीवन से जोड़ा गया है। यह पर्व ऋतु परिवर्तन तथा काल गणना में भी सहायक हैं। विश्व के 200 से अधिक देशों में 21 जून, योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को विकास का आधार माना है, इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा युवा शक्ति मिशन आरंभ किया जा रहा है। हमारा यह प्रयास भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प में आहुति के समान है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री भगवान दास सबनानी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम प्रदेश के सभी आकाशवाणी के केन्द्रों से एक साथ प्रसारित किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन सभी शिक्षण संस्थाओं में एक साथ-एक संकेत पर किया गया। आयोजन में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र - छात्राएँ स्वैच्छिक रूप से शामिल हुए। जिलों में होने वाले सामूहिक सूर्य नमस्कार के आयोजन में स्थानीय जन-प्रतिनिधि, विभिन्न शिक्षण संस्थाओं, समितियों के साथ ही गणमान्य नागरिक भी सम्मिलित हुए।

दतिया में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक की हार्ट अटैक से मौत

दतिया। दतिया में अनुभाग के बड़ौनी कन्या माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष तिवारी की हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई। यह घटना स्कूल प्रांगण में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के दौरान हुई, जब उनकी तबियत अचानक बिगड़ गई। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एमपी में हुसैनपुर-खलीलपुर समेत 11 गांवों के नाम बदले, शेखपुर अब हुआ अवधपुरी

शाजापुर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में राज्य सरकार मुगल सल्तनत के दौर के गांवों के नाम भी बदलती जा रही है। उज्जैन में ऐसे तीन गांवों के नाम बदलने के बाद अब मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने शाजापुर जिले की कालापीपल तहसील क्षेत्र के 11 नामों को बदलने की घोषणा की है।

इन 11 गावों के नाम बदले

मुख्यमंत्री ने रविवार को कालापीपल में आयोजित एक कार्यक्रम में मोहम्मदपुर मछनाई गांव को मोहनपुर, ढाबला हुसैनपुर को ढाबला राम, मोहम्मदपुर पंवाड़िया को रामपुर पंवाड़िया, खजुरी अलाहबाद को खजूरीराम, हाजीपुर को हीरापुर के नाम से जाना जाएगा। निपानिया हिसामुद्दीन को निपानिया देव, रिछड़ी मुरादाबाद को रिछड़ी, खलीलपुर को रामपुर, उंचोद को उंचावद, घट्टी मुख्तयारपुर को घट्टी और शेखपुर बोंगी गांव को अवधपुरी का नाम दिए जाने की घोषणा कर दी।

उज्जैन के भी तीन गांव के नाम बदले थे

बता दें कि इससे पूर्व पांच जनवरी को मुख्यमंत्री डा. यादव ने अपने गृह जिले उज्जैन के भी तीन गांव के नाम बदलने की घोषणा की थी। यहां उन्होंने गजनीखेड़ी गांव को चामुंडा महानगरी, मौलाना गांव को विक्रम नगर और जहांगीरपुर गांव को जगदीशपुर नाम दिया था।

कालापीपल को अनुभाग घोषित करने की घोषणा

सूत्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार मध्य प्रदेश के और भी कई जिलों के ऐसे गांव के नाम बदलेगी, जो मुगल सल्तनत के हैं या मुगल सल्तनत की याद दिलाते हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कालापीपल को तहसील से अनुभाग घोषित करने की भी घोषणा की। उन्होंने कालापीपल के नाम को लेकर भी सवाल उठाया। बोले कि मैंने आज तक काला पीपल नही देखा। आप विचार कर बताना कौन-सा पीपल रखना है।

5 फरवरी दिल्ली का आपदा से मुक्ति दिवस है- अमित शाह

नई दिल्ली-(आरएनएस)। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली के जेएलएन स्टेडियम में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को संबोधित किया। गृह मंत्री ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी-झोपड़ियों में गरीबों की पीड़ा के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र पत्थर का लकीर होता है। ये मोदी की गारंटी होती है, जिसको जमीन पर उतरना ही है। भाजपा का घोषणा पत्र आप-दा के घोषणा पत्र जैसा नहीं होता। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि आप-दा का घोषणा पत्र सिर्फ झूठ होता है और हम जो कहते हैं वो करते हैं और हम वही कहते हैं जो कर सकते हैं। मैं आज यहां आपको ये कहने के लिए आया हूं कि आप दिल्ली के मुक्तिदाता बन सकते हैं। आप दिल्ली को कई सारी आपदाओं से मुक्त करा सकते हैं और मेरी बात गांठ बांध कर जाना- 5 फरवरी... दिल्ली का आप-दा से मुक्ति का दिन है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने झुग्गीवासियों के दर्द, असुविधा और वादे तोड़ने के खिलाफ गुस्से को सुना है। उन्होंने आपकी सभी समस्याओं की एक सूची बनाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री मोदी को दी है।

यमन में भीषण हादसा- गैस स्टेशन पर आग लगने के बाद धमाका, 67 लोग घायल, 40 गंभीर

सान.(आरएनएस)। मध्य यमन में एक गैस स्टेशन पर हुए विस्फोट के बाद आग लगने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई. स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को बताया कि विस्फोट के बाद भीषण आग लगी थी, जिससे बचाव अभियान में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है.

हूती विद्रोहियों की तरफ से संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विस्फोट शनिवार को बायदा प्रांत के जहेर जिले में हुआ. जिसमें कम से कम 67 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें 40 की हालत गंभीर है. मंत्रालय ने कहा कि बचाव दल लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं. अभी तक विस्फोट के कारण का पता नहीं चल पाया है.

ऑनलाइन प्रसारित हादसे के एक फुटेज में भीषण आग दिखाई गई, जिससे आसमान में धुंआ उठ रहा था और कई गाडियां जलकर राख हो गई है. बता दें कि, बायदा पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है, जो एक दशक से भी अधिक समय से यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के साथ युद्ध कर रहे हैं.

सना और देश के उत्तरी हिस्से पर विद्रोहियों का कब्जा

यमन का गृह युद्ध साल 2014 में शुरू हुआ, जब विद्रोहियों ने राजधानी सना और देश के उत्तरी हिस्से पर कब्जा कर लिया, जिससे सरकार को दक्षिण और फिर सऊदी अरब भागना पड़ा. सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन मार्च 2015 में युद्ध में शामिल हुआ था, जिसे उस समय अमेरिका का समर्थन मिला था, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल किया जा सके. इस युद्ध में नागरिकों और लड़ाकों समेत 150,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, और हाल के वर्षों में यह काफी हद तक गतिरोध में बदल गया है और दुनिया के सबसे बुरे मानवीय संकटों में से एक बन गया है.

यूपी में एलपीजी टैंकर और पिकअप में भीषण टक्कर, गैस रिसाव से मची अफरा तफरी, हाईवे पर लगा लंबा जाम

कानपुर. (आरएनएस) सचेंडी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक एलपीजी टैंकर और पिकअप की टक्कर हो गई, जिससे टैंकर से गैस का रिसाव शुरू हो गया. पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रिसाव को बंद कर टैंकर को किनारे किया. जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे ओरिएंट रिसोर्ट के सामने कानपुर की ओर जा रही पिकअप (यूपी 75 सीटी 4329) अनियंत्रित होकर पहले बाईं ओर चल रहे एक अज्ञात वाहन से टकराई और फिर दाहिनी ओर चल रहे एलपीजी टैंकर (यूपी 78 सीटी 0995) से जा टकराई. टक्कर से टैंकर के तीन वाल्व क्षतिग्रस्त हो गए और गैस का रिसाव होने लगा. टैंकर चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया.

प्रयागराज महाकुंभ के पहले संगम के नाविकों की हड़ताल पर बोले अखिलेश यादव- हम मुफ्त नाव देंगे

प्रयागराज.(आरएनएस)। महाकुंभ के दौरान स्थानीय नाविकों पर कुछ पाबंदियां लगाने के खिलाफ निषाद समाज के विरोध के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार होगी, नाविकों को मुफ्त नाव दी जाएंगी. प्रयागराज के निषाद समाज ने आरोप लगाया है कि उन्हें संगम के किनारे नावें नहीं लगाने दिया जा रहा है. इसी के खिलाफ शुक्रवार को नाविकों ने विरोध प्रदर्शन भी किया था और त्रिवेणी पर सैकड़ों नावें खड़ी कर दी गईं थीं. निषाद समाज के लोगों का कहना था कि वो लंबे समय तक कुंभ का इंतजार करते हैं और इसके लिए खास तैयारियां करते हैं. प्रदर्शनकारी नाविकों का कहना था कि उन्होंने लोन लेकर नई नावें खरीदी हैं लेकिन इन नावों को संगम स्थल से ना चलाए दिए जाने से उन्हें नुकसान होगा और वो कर्ज भी नहीं चुका पाएंगे. जब अखिलेश यादव से इस संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, नाविकों की मदद होनी चाहिए, नाविक लोग इसी समय की तैयारी करते हैं, कई बार वो उधार लेकर नाव ठीक करते हैं, नाव बनाते हैं, नाव ठीक करते हैं. यदि इसी समय पर उन्हें अनुमति नहीं मिलेगी तो सोचिए उन पर कितना संकट आ जाएगा. अखिलेश यादव ने कहा, सरकार की ये जिम्मेदारी बनती है कि निषाद समाज के लोगों को फ्री नाव दें. अगर ये सरकार नहीं देती है तो जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी, जिस तरह छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिया गया था उसी तरह नाविकों को मुफ्त नाव दी जाएगी. प्रयागराज में कश्ती चलाने वालों ने प्रदर्शन करते हुए घाटों के बीच नाव लगाकर रास्ता रोक दिया था. नाविकों ने प्रदर्शन भी किया था.

पीएम मोदी ने देश के नौजवानों को बताया अपना परम मित्र

नई दिल्ली-(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के भारत मंडपम में 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025' को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने विश्वास जताया कि युवा शक्ति का सामर्थ्य ही भारत को जल्द से जल्द विकसित राष्ट्र बनाएगा। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने युवाओं से कहा कि बड़े सपने देखना, एक मजबूत प्रतिबद्धता बनाना और एक निर्धारित समयसीमा के भीतर उन सपनों को प्राप्त करना पूरी तरह से संभव है। 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, किसी भी देश की प्रगति के लिए, उसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

झुग्गी वालों को कीड़े-मकोड़े समझती है, बीजेपी -केजरीवाल

नई दिल्ली-(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल रविवार को दिल्ली के शकूर बस्ती की एक झुग्गी बस्ती में पहुंचे। यहां एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह दिल्ली की सभी झुग्गी-बस्तियों को ध्वस्त कर देगी। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भाजपा पर झुग्गीवासियों के कल्याण की बजाय भूमि अधिग्रहण को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा वाले झुग्गी वालों को कीड़े-मकोड़े समझते हैं। दिल्ली चुनाव नज़दीक आते ही ये झुग्गीवासियों के घर में सो रहे हैं। बीजेपी को चुनाव से पहले झुग्गीवासियों का वोट और चुनाव के बाद इनकी ज़मीन चाहिए।

केजरीवाल ने भाजपा की 'जहां झुग्गी, वहां मकान' योजना की भी आलोचना की। उन्होंने अमित शाह पर झुग्गीवासियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बीजेपी कहती है कि 'जहां झुग्गी, वहां मकान', लेकिन ये नहीं बता रहे कि जहां झुग्गी, वहां इनके दोस्त और बिल्डर्स के मकान है। पूरी दुनिया जानती है कि इनका एक ही दोस्त है, अपने दोस्त को देने के लिए इनकी झुग्गीवालों की ज़मीन पर बुरी नज़र है।

केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा की योजना झुग्गीवासियों की आवासीय जरूरतों को पूरा किए बिना उनके कब्जे वाली जमीन पर कब्जा करने की है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, %वे (भाजपा) सभी झुग्गी-झोपड़ियों को ध्वस्त कर देंगे और वहां रहने वाले लोगों की कोई चिंता किए बिना जमीन का अधिग्रहण कर लेंगे। केजरीवाल के साथ आप के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन भी थे, जो शकूर बस्ती निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार हैं। जैन 2013, 2015 और 2020 में जीतने के बाद चौथी बार इस सीट से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान होगा और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

आयुष विभाग में 3500 आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती का टेंडर-डेढ़ साल पहले निकला था टेंडर, बाद में विभाग ने निरस्त कर दिया

महिला कर्मचारी ने 60 करोड़ का टेंडर दिलाने के लिए ली डेढ़ करोड़ की रिश्वत, ठेका नहीं दिया, पैसे भी नहीं लौटाए

भोपाल।(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सरकारी विभागों में चल रही टेंडर प्रक्रिया के भ्रष्टाचार का एक नमूना राजधानी भोपाल में सामने आया है। यहां मानव संसाधन आपूर्ति से जुड़ी एक कंपनी ने आयुष विभाग में 60 करोड़ रुपये का टेंडर पाने के लिए वहां काम कर रही एक महिला कर्मचारी को सवा करोड़ रुपये की रिश्वत दी।

कंपनी को काम नहीं मिला तो उसने पैसे वापस मांगे। महिला कर्मचारी ने उसे देने से इन्कार कर दिया, तो रिश्वत देने वाली कंपनी के संचालक ने महिला के खिलाफ थाने में शिकायत की। अब बिलखिरिया थाने में महिला कर्मचारी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है।

ग्वालियर के धर्मवीर सिंह सेंगर ने दर्ज करवाई शिकायत

बिलखिरिया थाना प्रभारी उमेश सिंह ने बताया कि मूलतः ग्वालियर के रहने वाले धर्मवीर सिंह सेंगर वर्तमान में बिलखिरिया क्षेत्र में रहते हैं। वह सेंगर सिक्योरिटी सर्विसेज कंपनी के संचालक हैं। धर्मवीर ने बताया कि 2023 में आयुष विभाग में साढ़े तीन हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती के लिए 60 करोड़ का टेंडर निकाला गया था। तब विभाग में कार्यरत प्रगति श्रीवास्तव ने सवा करोड़ रुपए लेकर टेंडर दिलवाने की बात कही।

उन्होंने विभाग में ऊंची पहुंच बताकर कंपनी को टेंडर के आवंटन का आश्वासन दिया था। टेंडर भरने के बाद धर्मवीर ने 14 अगस्त को प्रगति के बैंक खाते में 15 लाख रुपए जमा करा दिए। इसके बाद प्रगति ने टेंडर दिलवाने के लिए आगे की कार्रवाई के लिए बाकी राशि मांगी। धर्मवीर ने 11 अक्टूबर को अपने दो दोस्त विनोद और विपिन पोखरियाल के सामने प्रगति को 1 करोड़ 10 लाख रुपये नकद दिए।

टेंडर में कुल 11 कंपनियों ने भाग लिया था, लेकिन तकनीकी प्रक्रिया से गुजरने के बाद विभाग ने चार कंपनियों को चयनित किया था। जनवरी 2024 में यह टेंडर विभाग ने निरस्त कर दिया।

इसके बाद धर्मवीर ने प्रगति से अपने रुपये वापस मांगे, तो उसने लौटाने से साफ इन्कार कर दिया। बाद में जब धर्मवीर ने दबाव डाला तो टाल-मटोल करने लगीं, लेकिन राशि नहीं लौटाई। बताया जा रहा है कि कंपनी संचालक ने दो महीने पहले अपनी शिकायत दी थी। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद अब धोखाधड़ी की धारा में मामला दर्ज किया है। अब महिला के राजनीतिक कनेक्शन तलाशे जा रहे हैं।

कमीशन लेकर कंपनी की अटकी राशि दिलवा चुकी हैं प्रगति

धर्मवीर ने बताया कि पूर्व में उनका मंडला शासकीय अस्पताल में काम चल रहा था। जनवरी 2023 में विभाग ने किसी कारण से टेंडर निरस्त करवा दिया था, जिससे उनका भुगतान फंस गया।

तब कंपनी के मैनेजर महेंद्र अग्रवाल का संपर्क विभाग में कार्यरत प्रगति श्रीवास्तव से हुआ था। प्रगति ने उस दौरान तीन लाख रुपये लेकर अटकी हुई राशि वापस दिलवा दी थी, जिसके बाद हमने टेंडर के लिए प्रगति से संपर्क किया था। आयुष विभाग के जानकारों का कहना है कि प्रगति श्रीवास्तव करीब नौ वर्ष से आयुष विभाग में आउटसोर्स पर काम कर रही हैं। बागमुगालिया क्षेत्र में रहती हैं।

नगर-डगर

जबलपुर दिन सोमवार 13 जनवरी 2025

दैनिक क्षितिज किरण 2

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी मदनमहल प्रवीण धुर्वे ने बताया कि शाम मुखबिर से सूचना मिली कि अकबर का बाड़ा में सूरज उर्फफिरोज नाम का व्यक्ति सट्टा पट्टी लिखकर अवैध लाभ अर्जित कर रहा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई अकबर का बाड़ा में एक व्यक्ति सट्टा पट्टी लिखते हुये दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया, नाम पता पूछने पर अपना नाम सूरज उर्फफिरोज पिता भारत पटैल उम्र 49 वर्ष निवासी अकबर का बाड़ा मदनमहल बताया जिसके कब्जे से 3 नग सट्टा की पट्टी बुक जिसमें सट्टा अंक तथा रूपये लिखे हैं

इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी ने पूरे आदर और श्रद्धा के साथ भगवान अंबेडकर की पूजा-अर्चना की

डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान, सहन नहीं करेगा भारत महान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर एक प्रखर व्यक्तित्व, ज्ञान के प्रतीक और भारत के महान सुपुत्र थे। वे एक सार्वजनिक बौद्धिक, सामाजिक क्रांतिकारी और विशाल क्षमता संपन्न विचारक थे। उनके लेखन और भाषणों में सामाजिक और राजनीतिक स्थितियों का व्यावहारिक विश्लेषण और अंत:विषय दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उन्होंने वंचित वर्ग के लोगों के लिए न्याय और मुक्ति की गहरी भावना को अपने विचारों के माध्यम से व्यक्त किया। बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित वर्गों की दशा सुधारने और सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए समर्पित कर दिया। यह विचार डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी, ने जबलपुर स्थित अंबेडकर चैक पर आयोजित डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर स्वाभिमान समारोह के अवसर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री लीलाधर झारिया ने अपने संबोधन में कहा, ष्डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित और पिछड़े वर्गों के मसीहा हैं। उन्होंने हमें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए नया जीवन प्रदान किया। हम कभी भी बाबा साहेब के सम्मान पर आँच नहीं आने देंगे। कुछ राजनीतिक दल उनके नाम का उपयोग केवल वोट प्राप्त करने के लिए करते हैं और बाद में उन्हीं का अपमान करते हैं। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी इस अन्याय का बदला लेकर ऐसे दलों को सत्ता से बेदखल करेगी। श्री झारिया ने यह भी घोषणा की कि मध्यप्रदेश के हर गांव और शहर में स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमाओं को भगवान मानते हुए उनकी पूजा-अर्चना की जाएगी।

इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्री राजेश मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित नेता डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी (संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री लीलाधर झारिया (प्रदेश अध्यक्ष), श्री ओ.पी. बिल्थरिया (जिला अध्यक्ष), श्री बलराम श्रीवास्तव (महामंत्री), श्री राहुल वर्मा (संगठन मंत्री), श्री संत कुमार रजक (जिला अध्यक्ष सिवनी), श्री राकेश अग्रवाल, श्री अनिल कुमार मेहरा, शिरीष चैबे, श्री रुद्र प्रताप सिंह, श्री मोनू बघेल, श्री संजय सागर सेन, श्री राहुल पांडे, श्री अंकुर उर्मलिया, श्री केशव पटेल (जिला अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ), श्री अरविंद खरे, श्री हरिओम हजारी और अन्य पार्टी कार्यकर्ता। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने और उनके सम्मान की रक्षा करने का संकल्प लिया।

स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई गयी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारत विकास परिषद जबलपुर शाखा द्वारा स्थानीय पी. एम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्यालय और मॉडल हाई स्कूल में शाखा द्वारा स्थापित विवेकानंद जयंती की मूर्ति पर माल्यार्पण पुष्पांजलि के साथ छात्र छात्राओं को विवेकानंद जी के आदर्शों के बारे मे जानकारी प्रदान की और परिषद् के उदेश्य को बताया. इस अवसर पर रीजन सचिव संस्कार जितेंद्र कुलकर्णी डॉ नीलेश पांडेय रीजन सचिव सेवा इंजि रामकृष्ण चौकसे प्रांत उपाध्यक्ष नितिन पालीवाल कोषाध्यक्ष महाकौशल श्रीमती सरोज चौकसे जी प्रांत सह संयोजक महिला कार्य शाखा सचिव अमन पांडेय शाखा कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र जेठा अरविंद मोहन नायक और विद्यालय की प्राचार्या प्रभा मिश्रा सहित अध्यापक छात्र छात्रा उपस्थित रहें.

निशुल्क माघ मास कल्प वास का होगा शुभारंभ

शाही स्नान के साथ नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा आज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर प्रयागराज कुंभ की तरह नर्मदा मैया एवं बाणगंगा मैया सरस्वती मैया के संगम हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में 13 जनवरी सोमवार से 10 वे वर्ष निशुल्क कल्पवास का शुभारंभ एवं पोष पूर्णिमा पर शाही स्नान के साथ नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा निकाली जाएगी शाही स्नान एवं 434 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा प्रात: 8ः30 बजे सोमवार पोष पूर्णिमा का नेतृत्व पूज्य महंत स्वामी कालीनंद महाराज महंत स्वामी रामजी शरण महाराज महंत रामेश्वरनंद जी महाराज राम भारती जी महाराज महंत राज राजेश्वरानंद जी महाराज महंत राजेश्वरानंद जी महाराज स्वामी सुरेंद्रदास जी महाराज संतो के सानिध्य में मां नर्मदा के तट पर जाकर शाही स्नान पूजन अर्चन के साथ नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा प्रारंभ होगी निशुल्क माघ मास कल्पवास 10 वे वर्ष का शुभारंभ होगा जो पोष पूर्णिया से 12 फरवरी माघ पूर्णिमा तक चलेगा जिसमें रहने एवं भोजन की निशुल्क व्यवस्था आश्रम में रहेगी प्रतिदिन सुबह एवं शाम को भागवत गीता का पाठन होगा सुंदरकांड हनुमान चालीसा नर्मदा मैया की आरती की जाएगी महीने भर विभिन्न संगोष्ठी का आयोजन होगा बसंत पंचमी 2 फरवरी को प्रात: 9ः00 बजे सुहागले एवं गोद भराई का कार्यक्रम किन्नर मंगला मुखी समाज के द्वारा किया जाएगा उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिव शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे पप्पू चौबे श्याम मनोहर पटेल ने की है

महर्षि पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित हुई विकास की कलम

विकास सोनी को मिला 23वां महर्षि पत्रकारिता सम्मान...

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महर्षि महेश योगी भारत की महान आध्यात्मिक विभूतियों में से एक थे। उन्होंने भावातीत ज्ञान योग की खोज कर उसकी स्थापना की थी। भावातीत ज्ञान योग के माध्यम से उन्होंने सम्पूर्ण विश्व में मानवीय सेवा का जो महत्वपूर्ण कार्य किया, वह बहुत ही अमूल्य है। ऐसी महान विभूति के जन्मदिवस पर 106 वी जयंती 12 जनवरी को पूरे विश्व में शंखनाद से प्रारंभ होकर धूमधाम से मनाई गई। इसी क्रम में जबलपुर में गत 22 वर्षों से निरन्तर जारी महर्षि पत्रकारिता सम्मान इस वर्ष भी रविवार 12 जनवरी को अपरान्ह 01.00 बजे से शहीद स्मारक परिसर के खुले मंच पर आयोजित किया गया। इस वर्ष फोटो जर्नलिस्ट व पूर्व दूरदर्शन सम्वाददाता संजय चौधरी को लाइफ टाईम पुरस्कार से उनकी 25 वर्ष की फोटो जर्नलिज्म पर प्रदान किया गया । वहीं शहर के चयनित पत्रकारों में विकास की कलम के संपादक विकास सोनी को उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता से सम्मानित किया गया।साथ ही बम्बई से ब्रम्हार्षी यू ट्यूब चैनल संचालिका मोनिका शुक्ला सम्मानित हुई। इसी क्रम में दैनिक भास्कर से दीपक राय, पत्रिका से मनोज वर्मा, नई दुनिया से आलोक बनर्जी, स्वतंत्रमत से सम्पादक राजेन्द्र मिश्रा, अग्निबाण से सम्पादक मदन अवस्थी, हिन्दी एक्सप्रेस से हरिशंकर शर्मा, यश भारत से अनुराग तिवारी, प्रदेश टूडे से जितेन्द्र बर्मन, नवभारत - धनंजय श्रीवास्त्व, अनिरुद्ध सिंह, को सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम में अतिथि मा. प्रशांत सिंह - महाधिवक्ता, लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह जी, बाबू विश्वमोहन, पूर्व विधायक नित्यनिरंजन खम्परिया व मुख्य वक्ता रविन्द्र बाजपेई रहेंगे। इस अवसर पर चिकित्सा जगत में अपनी अमूल्य सेवाओं के लिये डॉ. व्ही. के. भारद्वाज, डॉ. राजेश धीरावाणी, डॉ दीपक बहरानी, डॉ. परिमल स्वामी, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. रजनीश गर्ग को चिकित्सा रत्न सम्मान प्रदान किया गया । इस अवसर पर महर्षि संस्थान के संस्थापक जादूगर एस के निगम ने आयोजन समिति के विजय जयसवाल, राजेन्द्र कुमार टेहनगुरिया, राजीव गुप्त राजेश पाठक, बच्चन श्रीवास्तव, मुन्ना गुजर, जसवीर चौपड़ा सहित उपस्थिति सभी आगंतुकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 काला पीपल शाजापुर में आयोजित महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जबलपुर में भी किया गया लाइव प्रसारण

लाड़ली बहना योजना के हितग्राहियों को माह जनवरी 2025 की मासिक राशि अंतरण की गयी

नगर निगम के सभी 16 संभागीय कार्यालयों में हुआ प्रसारण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आज काला पीपल शाजापुर में महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसका सीधा प्रसारण जबलपुर नगर निगम के सभी 16 संभागीय कार्यालयों में मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण राया गया और सैंकड़ों लाड़ली बहनों को महिला सशक्तिकरण अंतर्गत माह जनवरी 2025 की मासिक राशि अंतरण कर लाभांवित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा लाड़ली बहनों को राशि अंतरण कर लाभ प्रदान किया गया। सीधा प्रसारण कार्यक्रम के दौरान जबलपुर के स्थानीय सभी जनप्रतिनिधियों ने कहा कि लाड़ली बहनों को सम्मान देने के लिए आयोजित यह कार्यक्रम ऐतिहासिक कार्यक्रम है। इस मौके पर सभी सम्माननीय जनप्रतिनिधिगण, एवं अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना

जबलपुर- थाना बरगी में रात्रि नितिन मिश्रा उम्र 36 वर्ष निवासी बृजपुरी कालोनी कुदवारी अमखेरा थाना गोहलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह टाईल्स लगाने का काम करता है दिनांक 9-1-25 को उसका भांजा आदित्य चौबे अपने दोस्त ऋषिकांत उदस्ते के साथ अपनी मोटर सायकल से बरगी डेम घूमने के लिये निकला था दोपहर लगभग 2-30 बजे उसके भांजे ने फोन कर बताया कि बरगी डेम जाते समय मंगेली नहर के पास पहुँचे तभी पीछे से आ रही एक्सिस क्रमांक एमपी 20 जेड आर 5711 ने टक्कर मार दिया जिससे भांजे आदित्य तथा ऋषिकांत को हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आयीं हैं। उसने दोनों को उपचार हेतु कोठारी अस्पताल में भर्ती कराया है।

पनागर में स्वामी विवेकानंद जयंती पर संस्कार केंद्र का हुआ शुभारंभ

म.प्र.जन अभियान परिषद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रदीप तिवारी जिला समन्वयक जबलपुर, श्री भारत महरोलिया जी बिकासखण्ड समन्वयक म.प्र.जन अभियान परिषद पनागर मार्ग दर्शन मे सेक्टर क्रमांक 2 कुसनेर अंतर्गत आदर्श ग्राम कुशनेर मे, संस्कार केंद्र,स्वामी विवेकानंद वाचनालय जन सूचना केंद्र, का हुआ शुभारंभ साथ ही ग्राम के प्रबुद्ध जनों द्वारा स्वामी विवेकानंद जी पर विचार व्यक्त किए गए कार्यक्रम में प्रदीप पटेल जनपद पंचायत सदस्य, समाज सेवी दिलीप पटेल, मनीष मिश्रा, दीक्षा पटेल, धर्मेंद्र पटेल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कुशनेर के अध्यक्ष जितेंद्र पटेल सदस्य शेखर पटेल, शरद पटेल, धर्मेंद्र पटेल, एमएसडब्ल्यू बीएमडब्ल्यू छात्र-छात्रा हर्ष गोस्वामी, पूनम रजक, सचिन , निधि, चांदनी परामर्शदाता मनोज प्रजापति नवांकुर संस्था अध्यक्ष पारस दाहिया के साथ ग्राम वासियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।।

पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही दिया जायेगा योजनाओं का लाभ

मुख्यंमंत्री जनकल्यानण अभियान आज 43 ग्राम पंचायतों में लगाये जायेंगे शिविर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मुख्यरमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप केन्द्रा और राज्य शासन द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं का प्रत्येक पात्र व्यिक्ति तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य् से चलाये जा रहे मुख्यरमंत्री जनकल्याजण अभियान के तहत सोमवार 13 जनवरी को जिले की 43 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जायेगा। जिला पंचायत से प्राप्त। जानकारी के अनुसार मुख्य मंत्री जनकल्या ण अभियान के तहत सोमवार 13 जनवरी को जनपद पंचायत पाटन की ग्राम पंचायत कटरा बेलखेड़ा, सिमरिया, बरौदा छेड़ी, रमखिरिया, बरोदा (हडा), खजरी एवं कैथरा में शिविर लगाये जायेंगे। जनपद पंचायत शहपुरा में ग्राम पंचायत सेमरा, बड़खेड़ा, बिजौरी, भिड़की, गंगई, बगरई एवं खुलरी में शिविर आयोजित किये जायेंगे। जनपद पंचायत कुंडम में ग्राम पंचायत कुंडम, सदाफल, बैरागी, जैतपुरी एवं हाड़ीपानी में शिविरों का आयोजन किया जायेगा। जनपद पंचायत मंझौली में ग्राम पंचायत खुड़ावल, रिवझा, पोड़ी कला, अन्घो रा, पडरिया, महगवां एवं पड़वार में शिविर लगाये जायेंगे। जनपद पंचायत सिहोरा के ग्राम पंचायत अगरिया, खिटौला (खमरिया), कुश्यादरी, प्रतापपुर एवं भाटादोन में शिवरि आयोजित किये जायेंगे।

व्हीएफजे में विंटर कार्निवल 2025 का सफलतापूर्वक हुआ समापन - शहरवासियों ने खूब उठाया आनंद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में महिला कल्याण समिति के तत्वावधान में विंटर कार्निवल 2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ उल्लेखनीय है कि व्हीएफजे के स्पोर्ट्स स्टेडियम में दिनांक 10 से 12 जनवरी तक विंटर कार्निवाल का आयोजन किया गयाद्य यह आयोजन प्रतिदिन प्रात: 11ः00 बजे से रात 9ः00 बजे तक आयोजित हुए द्य विंटर कार्निवल में अलग-अलग उत्पादों से संबंधित 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए थेद्य इसके अलावा झूले, फन गेम्स और कल्चरल प्रोग्राम भी साथ-साथ आयोजित किए गएद्य विंटर कार्निवल में महिला कल्याण समिति की ओर से महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित गंभीर विषयों पर व्याख्यान माला एवं डेमोंसट्रेशन आयोजित किए गए द्य इनमें स्ट्रेस मैनेजमेंट पर श्रीमती रचना भोला प्रेसिडेंट ड्डड्ड, ड्डस्नद्ध, महिला सशक्तिकरण पर सुश्री शिवानी मौर्य असिस्टेंट डायरेक्टर महिला एवं बाल विकास जबलपुर, घरेलू हिंसा पर श्रीमती निर्मला नायक अधिवक्ता हाई कोर्ट जबलपुर, सेल्फ डिफेंस टेकनीक पर सुश्री आकांक्षा उपाध्याय टी आई, हार्टीकल्चर पर सुश्री पूजा जाटव, स्वच्छ पर्यावरण एवं प्लास्टिक फ्री इस्टेट पर डॉक्टर आशीष शर्मा प्रोफेसर, विज्ञान एवं तकनीकी पर श्री पंकज गवेरा एमपीसीएसटी, कंज्यूमर प्रोटक्शन पर सुश्री कौशिकी अधिवक्ता इत्यादि ने व्याख्यान दिए जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे लाभान्वित हुए इसके अलावा विंटर कार्निवल में जम्मू कश्मीर से आए श्री लकी जी गुप्ता ने अपने थिएटर प्रोग्राम मां मुझे टैगोर बना दे का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लियाद्य इसके साथ ही महिला कल्याण समिति व्हीएफजे द्वारा संचालित स्कूलों के बच्चों कल्चरल प्रोग्राम के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और विंटर कार्निवाल की रौनक बढाईद्य इसके अलावा विंटर कार्निवाल के दौरान अलग-अलग प्रकार के फन गेम्स, ड्राइंग एवं पेंटिंग कंपटीशन आयोजित किए गए तथा उनके विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए व्हीएफजे में विंटर कार्निवाल के साथ-साथ प्लास्टिक फ्री व्हीएफजे अभियान का भी आगाज किया गया और इसके तहत व्हीएफजे इस्टेट में पॉलिथीन को प्रतिबंधित करने की दिशा में काम किया जा रहा हैद्य इसके लिए सभी इस्टेटवासियों एवं दुकानदारों से अपील की गई है कि वे प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगेद्य प्लास्टिक फ्री व्हीएफजे अभियान को सफल बनाने के लिए व्हीएफजे प्रबंधन की ओर से सभी को जूट बैग बांटे गए, विशेषकर यूनियन एसोसिएशन के पदाधिकारियों को जूट बैग प्रदान कर अधिक से अधिक संख्या में व्हीएफजे इस्टेट में प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु प्रचार प्रसार करने हेतु अपील की गई विंटर कार्निवाल के सफल आयोजन पर व्हीएफजे के मुख्य महाप्रबंधक श्री संजीव कुमार भोला एवं महिला कल्याण समिति व्हीएफजे की अध्यक्ष श्रीमती रचना भोला ने सभी को अपनी शुभकामनाएं दी है और प्लास्टिक फ्री व्हीएफजे अभियान को सफल बनाने की अपील की है

भोपाल -उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और विचारों से प्रेरित होकर हमें अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के सपनों को पूरा करने के लिए एकजुट हों और राष्ट्र को शक्तिशाली एवं समृद्ध बनाने में योगदान दें। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारतञ्च2047 तक विश्वगुरु बनेगा। इसमें युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने इंदौर में अष्टधातु से निर्मित माँ नर्मदा की अलौकिक प्रतिमा का किया अनावरण

नर्मदा परिक्रमा पथ किया जायेगा विकसित -संबंधित विभागों के समन्वित प्रयास से होंगे विकास कार्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का नाम टंट्या मामा के नाम

भोपाल- (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुण्य सलिला माँ नर्मदा का मध्यप्रदेश को विशेष आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा के परिक्रमा पथ का श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विकास किया जाएगा। इसके लिए मंत्रि-मंडलीय उप समिति का गठन किया गया है। परिक्रमा पथ के विकास के लिए सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से विशेष कार्य योजना तैयार कर विकास कार्य कराये जाएंगे। परिक्रमा पथ पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों के विकास, वृक्षारोपण, आवास निर्माण, अन्न क्षेत्र निर्माण आदि कार्य किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में अष्टधातु से निर्मित माँ नर्मदा की अलौकिक प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इंदौर नगर निगम द्वारा विकसित माँ नर्मदा चौराहे के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंख ध्वनि और मां नर्मदा के जयकारों के बीच मां नर्मदा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर नर्मदा अष्टक का गान भी हुआ। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, सुश्री ऊषा ठाकुर, श्री गोलू शुक्ला, श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा आध्यात्मिक रूप से विशेष महत्व रखती है। यह एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी श्रद्धालुओं द्वारा पूरी परिक्रमा की जाती है। इसके तट तपोभूमि और साधना स्थली है। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा, इसके लिए हम योजना तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ स्थल के रूप में भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां नर्मदा का इंदौर में विशेष महत्व एवं आशीर्वाद है। इंदौर की लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर मां नर्मदा का विशेष आशीर्वाद रहा है। इस नदी का जगत गुरु शंकराचार्य ने नर्मदा तट पर ही दीक्षा ग्रहण की। इंदौर में नर्मदा का भरपूर पेयजल मिल रहा है। इससे इंदौर के विकास को नई गति मिली है।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने नर्मदा चौराहे के विकास के संबंध में किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चौराहे के सौंदर्यीकरण अन्तर्गत किये गये कार्यों में माँ नर्मदा की प्रतिकृति, शंख फाउंटेन और महेश्वर का किला आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। इस चौराहे पर मां नर्मदा की 8 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित की गई है। इसकी चौड़ाई 8 फीट है। इसके नीचे मगर की प्रतिकृति भी है। माँ नर्मदा की यह मूर्ति अष्ट धातु से बनी है, जिसे ग्वालियर के आर्टिस्ट अनुज राय ने तैयार किया है। चौराहे का निर्माण दो चरणों में किया जा रहा है और इसे अलग-अलग थीम पर तैयार किया जा रहा है। एक आइलैंड पर महेश्वर का किला और दूसरे आइलैंड पर भेड़ाघाट की प्रतिकृति, शंख फाउंटेन और अन्य आकर्षक आकृतियां दिखाई देंगी। इन आकृतियों और ढाँचा को एमएस धातु से तैयार किया गया है। एक खास बात यह है कि यह पूरा ढाँचा चलित है, यानी यदि भविष्य में चौराहे को स्थानांतरित करने की आवश्यकता पड़ी, तो इसे आसानी से स्थातांरित किया जा सकता है। नर्मदा परिक्रमा की जानकारी को भी चौराहे पर आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया गया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधायक श्री मधु वर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया।

माँ नर्मदा के जल से सिंचित होगी बड़वानी जिले की कृषि भूमि - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर खेत को पानी और हर हाथ को रोजगार दिलाना हमारा संकल्प है। पारस के स्पर्श से लोहा जिस प्रकार सोना हो जाता है, उसी प्रकार धरती को पानी मिले तो वह सोना उगलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से हम इस संकल्प को पूरा करेंगे। हम हर गांव तक और हर खेत तक पानी पहुंचाएंगे। यह पानी अगर 60-70 वर्ष पहले खेतों को मिल जाता तो आज देश की दशा ही बदल जाती। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी है और निमाड़ के लोगों को माँ नर्मदा का आँचल मिला है। नर्मदा घाटी की इंदिरा सागर परियोजना और लोअर गोई परियोजना की नहरों से बड़वानी जिले में सूक्ष्म सिंचाई पहले से हो रही है। अब सेंधवा और निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से जिले के सुदूर क्षेत्रों में किसानों को अपने खेतों तक सिंचाई के लिये पर्याप्त मात्रा में माँ नर्मदा का जल उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को बड़वानी जिले की सेंधवा कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 1402.74 करोड़ रूपये की लागत वाली सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना और 1088.24 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाली निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का भूमि-पूजन कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दोनों परियोजनाओं का नामकरण करते हुये कहा कि सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना निमाड़ के गांधी श्री रामचंद्र विट्ठल के नाम पर और निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का नाम टंट्या मामा के नाम पर होगा। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागरसिंह चौहान, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री अंतरसिंह आर्य, राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल, पूर्व मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल सहित जन-प्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में किया जायेगा परिवर्तित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टंट्या मामा, भीमा नायक जैसे जनजातीय नायकों ने देश के स्वाभिमान के लिए अंग्रेजों से संघर्ष किया। उनके नाम से अंग्रेज थर्राते थे। रेल उन्हें प्रणाम करके आगे बढ़ती थी। हम उनके बलिदान को याद करते हैं और उन्हें नमन करते हैं। हमारी सरकार ने कार्यभार ग्रहण करने के 3 महीने के अल्प समय में ही खरगोन में टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय बनाया। जनजाति भाइयों के कल्याण के लिए टंट्या मामा योजना भी चलाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की घोषणा की। साथ ही निवाली में विद्युत उप केंद्र प्रारंभ करने और विभिन्न नवीन मार्गो के निर्माण की घोषणा भी की।

संसद की संचार और सूचना प्रौद्योगिकी स्थाई समिति ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का किया दौरा

भोपाल (आरएनएस) राज्यसभा की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रबंधन की स्थाई समिति के सभापति निरंजन बीशी और सदस्य गुलाम अली ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्य प्राणियों के संरक्षण तथा इको सिस्टम के संरक्षण हेतु अपनाई जाने वाली उन्नत तकनीकों की समीक्षा की। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्य प्राणियों एवं जैव-विविधता के संरक्षण हेतु अपनाई जाने वाली तकनीकों पर संतोष व्यक्त किया। स्थाई समिति के दल ने विदेशों में अपनाई जाने वाली तकनीकों का अध्ययन कर उन्हें अपनाने का सुझाव दिया। अपर पीसीसीएफ श्री कृष्णमूर्ति ने बताया कि बांधवगढ़ नेशनल पार्क का क्षेत्रफल 1563 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें कोर एरिया 716 वर्ग किलो मीटर तथा बफर एरिया 820 वर्ग किलो मीटर है। यहाँ 165 बाघ निवास करते है। मध्यप्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने बताया कि बाघों के संरक्षण के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में उपयोग की जाने वाली तकनीकों का अनुसरण अन्य रिजर्व पार्क भी करते है। यहाँ एआई तकनीक, एलर्ट तकनीक, ड्रोन तकनीक, रिमोट सेंसिंग तकनीक, सेटेलाइट कॉलरिंग, पेट्रोलिंग, बघीरा ऐप तथा आग से संरक्षण एवं वन्य जीव-मानव अर्न्तद्वंद्व को बचाने के लिये अन्य तकनीकों का प्रयोग किया जाता है। बैठक में आयुक्त शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता, उमरिया कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, संसदीय स्थाई समिति के दल में अधिकारी श्री एस.के. मरवाह, सुश्री कविता भाटिया, श्री संदीप कुमार, श्री विनोद कुमार, श्री सुधीर रेड्डी, श्री राजीव शर्मा, श्री जे.पी. भास्कर, श्री वीरेंद्र कुमार, उप संचालक बीटीआरपी श्री के. वर्मा सहित विभिन्न विभागों के राज्य एवं सम्भाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थी भावी जीवन में सदैव वंचितों के प्रति संवेदनशील रहें-राज्यपाल हिन्दी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

ज्ञानवान होने के साथ उसे आचरण में उतारना जरूरी - राज्यपाल पटेल

भोपाल (आरएनएस) राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ज्ञानवान होना ही पर्याप्त नहीं है, ज्ञान को आचरण में उतारना भी जरूरी है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान कवि, लेखक और राष्ट्रभक्त की स्मृति में स्थापित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का दायित्व है कि वह देश, समाज, समुदाय,परिवार और वंचितों के प्रति संवेदनशील रहें। राज्यपाल श्री पटेल शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर हॉल में आयोजित अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भावी जीवन में कैरियर की सफलताओं में माता-पिता, गुरूजन और समाज के जरूरतमंद पीछे नहीं छूटने चाहिए। पालकों के संघर्ष के पलों, समाज के सबसे पिछड़े, गरीब व्यक्ति के आपकी शिक्षा-दीक्षा में प्रत्यक्ष और परोक्ष सहयोग को सदैव याद रखें। दीक्षांत शपथ के दस्तावेज को सम्भाल कर रखें। प्रतिदिन उसे दोहराएं और उसके अनुसार आचरण करें। आस-पास के वंचितों की जरूरतों की जानकारी लें। उनको पूरा करने का यथा संभव प्रयास करें। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि हर व्यक्ति में अपार क्षमता है आवश्यकता अपनी शक्तियों को जगाने की है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाने और समाज एवं राष्ट्र की सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए शुभकामनांए दी।

भारतीय सूचना प्रौद्यौगिकी संस्थान भोपाल के निदेशक श्री आशुतोष सिंह ने महाभारत के मछली की आँख वाले प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि जीवन में सफलता के लिए कठिन प्रतिस्पर्धा हर युग में रही है, आगे भी रहेगी। भावी जीवन में भी रोज नई परीक्षा देनी होगी। आवश्यकता देश, काल और परिस्थिति के अनुसार स्वयं को ढालकर प्रयास करने की है। अंधेरा कितना भी घना हो, दिया जलाने पर रोक नहीं लगाता है। उन्होंने कहा कि याद रहे मंजिल उन्हें मिलती है जिनके सपनों में जान होती है। पंख होना पर्याप्त नहीं, उड़ान का हौसला होना जरूरी है। संचालक म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी श्री अशोक कडैल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधुनिक तकनीकी और रोजगार मूलक शिक्षा व्यवस्था के साथ ही भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ी व्यवस्था है। अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जनमानस के साथ संवाद और संपर्क का प्रभावी माध्यम भारतीय भाषाएं है। उन्होंने कहा कि गैर पारम्परिक हिन्दी विश्वविद्यालय के छात्रों का दायित्व है कि वह हिन्दी के मान सम्मान को समृद्ध और सफल बनाने में योगदान करें। उन्होंने विद्या?र्थियों को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेने के लिए कहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री खेम सिंह डहेरिया ने विश्वविद्यालय के प्रगति प्रतिवेदन का विवरण दिया।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया द्वारा गुना में 10.84 करोड़ लागत के 4 विद्युत उप-केन्द्रों का किया गया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

भोपाल-(आरएनएस) आज का दिन ऐतिहासिक है। अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर के निर्माण को एक वर्ष पूरा हो गया है, इस अवसर पर सभी को बधाई। साथ ही हमारे पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्व. लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि है। उन्होंने विश्व में जय जवान, जय किसान का नारा देकर अपनी आवाज को बुलंद किया था। हम उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं। हमारा प्रदेश बीमारू प्रदेश के नाम से जाना जाता था। पर्याप्त लाइट नही मिलती थी और बच्चे जब लालटेन की रोशनी से पढ़ाई करते थे, वह समय अब पीछे छूट गया है। पूर्व में यहां 50 हजार किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ था, आज 5 लाख किलोमीटर से अधिक की अच्छी गुणवत्ता की सड़कें निर्मित हुई हैं। इसी प्रकार पूर्व में जहां 6 लाख हेक्टयेर सिंचित भूमि का रकबा विरासत में मिला था, वह बढ़कर आज 48 लाख हेक्टेयर हो गया है। यह बात शनिवार को केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्राम गेहूंखेड़ा में 10.84 करोड़ लागत के 4 विद्युत उपकेन्द्रों का लोकार्पण/भूमि-पूजन अवसर पर कही। कार्यक्रम में गेहूंखेड़ा, बनेह, किलामपुर का लोकार्पण एवं औद्योगिक क्षेत्र गुना में विद्युत उप-केन्द्र का भूमि-पूजन किया गया। इस अवसर पर गुना जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने गुना विधानसभा के ग्राम गेहूंखेड़ा गिर्द में 2.70 करोड लागत के 33/11 केव्ही 5एमव्हीए क्षमता के विद्युत उप-केन्द्र का लोकार्पण किया। इससे गेहूंखेड़ा, बेंहटा, पीताखेड़ी, बादली, गोपालपुर टकटैया, चांदोल, काकड़ा अननपुर ग्राम लाभांवित होंगे।

बमोरी विकासखण्ड के ग्राम बनेह में 2.66 करोड़ लागत के 33/11 केव्ही 5एमव्हीए क्षमता के विद्युत उपकेन्द्र के तहत बनेह, धाननखेड़ी, चक खुदान, धनोरिया, पोरूखेडी के लोग लाभांवित होंगे। इसके अलावा ग्राम किलामपुर में 3.10 करोड़ लागत के 33/11 केव्ही 5 एमव्हीए क्षमता के विद्युत उप-केन्द्र के तहत किलामपुर, कलेछरी, भरतपुर, कर्नावटा, लोहारपुर, डोंगरी, रेहपुरा, अजीतपुरा तथा सुआटोर के लोग लाभांवित होंगे। विधानसभा गुना अंतर्गत पुराना औद्योगिक क्षेत्र एबी रोड में 2.38 करोड़ लागत के 33/11 केव्ही 5एमव्हीए क्षमता के विद्युत उपकेन्द्र का भूमि-पूजन किया गया। इससे औद्योगिक क्षेत्र सहित आस-पास के लगभग 50 हजार से ज्यादा आबादी को लाभ मिलेगा।

उप-केंद्रों का निर्माण भारत शासन की आरडीएसएस योजना के तहत किया गया है। उप-केंद्रों के बनने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज की समस्या एवं ओवर लोड के कारण बार-बार बिजली बन्द होने से राहत मिलेगी। लोड सेंटर पर विद्युत उप-केन्द्र के निर्माण के कारण उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति प्राप्त होगी। उप-केन्द्रों के निर्माण से लगभग 10 हजार विद्युत उपभोक्ताओं एवं 50 हजार की आवादी को लाभ होगा। इस अवसर पर विधायक श्री पन्नालाल शाक्य, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरविंद धाकड़, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

शिक्षित एवं संस्कारवान बन भारत को विश्वगुरू बनाने में निभायें सहभागिता-उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल -(आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि विद्यार्थी शिक्षित एवं संस्कारवान बनकर भारत को विश्वगुरू बनाने में अपनी सहभागिता निभायें। हम विश्व को परिवार मानते हैं और हमारे देश में विश्वगुरू बनने का सामर्थ है। सभी के समन्वित प्रयास से ही भारत विश्वगुरू का स्थान प्राप्त करेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मॉडल स्कूल रीवा में 7 करोड़ 9 लाख रूपये लागत से निर्मित ऑडिटोरियम एवं परिसर के अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह ऑडिटोरियम विद्यालय के लिये सौगात है। इस विद्यालय की प्रतिष्ठा पहले से ही रही है। यहाँ प्रवेश पाने वाले छात्र सौभाग्यशाली हैं। शिक्षकों के समर्पण एवं निष्ठा से यहां के छात्र संस्कारित हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि विद्यार्थियों में मानवीय गुण विकसित करें। क्योंकि बिना संवेदनशीलता व मानवीय गुणों एवं संस्कारों के जीवन अधूरा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल छात्रों से कहा कि अपने संस्कार व संस्कृति को न भूलें तथा नशे की प्रवृत्ति से दूर रहें साथ ही नशा मुक्त के लिये लोगों को जागरूक करें।

मकर संक्रांति पर रेलवे पटरियों के आसपास पतंगबाजी से बचें

भोपाल -(आरएनएस) भारत में मकर संक्रांति का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। भोपाल एवं आसपास के क्षेत्रों में इस अवसर पर पतंगबाजी का प्रचलन भी है। लेकिन, रेलवे ट्रैक के पास पतंगबाजी के कारण हर साल कई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं होती हैं। भोपाल मंडल के सभी रेल खंडों पर रेलगाड़ियां विद्युत कर्षण प्रणाली से संचालित हो रही हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे ट्रैक के ऊपर लगी विद्युत तारों में 25,000 वोल्ट की बिजली प्रवाहित होती है। यदि पतंग की डोर इन तारों के संपर्क में आ जाती है तो तेज विद्युत प्रवाह के कारण घातक करंट लग सकता है। विशेष रूप से धातुयुक्त मांझा या गीली डोर के कारण यह करंट पतंग उड़ाने वाले तक सीधे पहुंच सकता है, जो कि जानलेवा हो सकता है। इसके अतिरिक्त, तेज गति से चल रही रेलगाड़ियों के संपर्क में आकर भी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। रेलवे प्रशासन आम जनता से अपील करता है कि पतंगबाजी के लिए रेलवे ट्रैक और रेलवे परिसर से दूर रहें। इसके साथ ही, रेलवे ट्रैक को अनाधिकृत स्थानों से पार करना रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 147 के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसा करने पर ?1,000 तक का आर्थिक दंड, 6 माह का कारावास, या दोनों हो सकते हैं। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में मकर संक्रांति पर्व के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल और संरक्षा विभाग द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही, मीडिया चैनलों के माध्यम से भी लोगों को इस विषय में जागरूक किया जा रहा है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। रेलवे प्रशासन सभी लोगों, विशेषकर अभिभावकों से अपील करता है कि वे अपने बच्चों को रेलवे ट्रैक से दूर रखें। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

पूजा हमेशा पूर्व या उत्तर की ओर मुँह करके करनी चाहिये, हो सके तो सुबह 6 से 8 बजे के बीच में करें. पूजा जमीन पर आसन पर बैठकर ही करनी चाहिए, पूजा गृह में सुबह एवं शाम को दीपक,एक घी का और एक तेल का रखें. पूजा अर्चना होने के बाद उसी जगह पर खड़े होकर 3 परिक्रमाएँ करें. पूजाघर में मूर्तियाँ 1 ,3 , 5 , 7 , 9 ,11 इंच तक की होनी चाहिये, इससे बड़ी नहीं तथा खड़े हुए गणेश जी, सरस्वतीजी, लक्ष्मीजी, की मूर्तियाँ घर में नहीं होनी चाहिये. गणेश या देवी की प्रतिमा तीन, तीन शिवलिंग, दो शालिग्राम, दो सूर्य प्रतिमा, दो गोमती चक्र. दो की संख्या में कदापि न रखें.

लोगों को प्यासा रखना नैतिक अपराध

पचपन साल पहले केन-बेतवा परियोजना की परिकल्पना की गई थी। मगर आज भी बुंदेलखंड के लोग पानी किल्लत झेल रहे हैं। अभी कई और वर्ष उन्हें इंतजार करना होगा। क्या इतनी लेटलतीफी किसी ऐसे देश में हो सकती है, जो विकसित हुआ हो? केन-बेतवा परियोजना इसकी मिसाल है कि विकास के पैमानों पर भारत क्यों अपनी संभावनाओं को हासिल नहीं कर पाया। ध्यान दीजिएः परियोजना की परिकल्पना सबसे 1970 में की गई, जब मशहूर इंजीनियर एवं तत्कालीन सिंचाई मंत्री डॉ. केएल राव ने पानी की किल्लत वाले इलाकों में पानी पहुंचाने के मकसद से इन दोनों नदियों को जोडने का प्रस्ताव तैयार किया। सिंचाई मंत्रालय को इसकी योजना तैयार करने में दस साल लग गए। 1980 में तैयार योजना के प्रारूप पर संभाव्यता अध्ययन 1995 में शुरू हुआ। 1999 में संबंधित राज्यों उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के बीच सहमति बनाने के लिए समिति बनी। 2008 में जाकर संबंधित योजना केंद्र ने बनाई। 2010 में परियोजना के प्रथम चरण की संभाव्यता अध्ययन रिपोर्ट तैयार हुई। 2014 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परियोजना को मंजूरी दी। 2021 में यूपी और मप्र ने केंद्र को अपनी सहमति दी। 2023 में इसे वन मंत्रालय की मंजूरी मिली। और 2024 के आखिर में जाकर इस पर अमल की शुरुआत की गई है। फिलहाल, बताया गया है कि इस पर 44,605 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पुराने अनुभवों के आधार पर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि काम पूरा होते-होते ये खर्च काफी बढ़ चुका होगा। इस बीच बुंदेलखंड के लोग पानी किल्लत झेलते रहे हैं तथा अभी कई और वर्षों तक उन्हें इसके लाभ का इंतजार करना होगा।

दिल्ली के चुनाव 'आप' के लिये परीक्षा की घड़ी

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है। कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को पाने की जद्दोजहद में जुटी है। सबसे दिलचस्प एवं रोमांचक इस चुनाव में देखना है दिल्ली की जनता किसके सर पर ताज पहनाती है? चुनाव की घोषणा से पहले ही तीनों राजनीतिक दल आम मतदाता को लुभाने के लिये तरह-तरह की घोषणाएं करते हुए जनता से मुखातिब हो रहे हैं, जनता के बीच जा रहे हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं। 'आप' तमाम तरह की संकट एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बावजूद मजबूती बनाये हुए है, क्योंकि आप-सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, जैसेकि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक और मुफ्त बिजली, साथ ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और वरिष्ठ नागरिकों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराना उसकी ताकत बनी हुई है। नयी घोषणाओं के साथ वह अपनी इस ताकत को बढ़ाते हुए 'आप' ने महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने देने, बुजर्गों को फ्री इलाज, ऑटो चालकों को 10 लाख का बीमा देने, पंडितों एवं ग्रंथियों को 18 हजार प्रतिमाह जैसी कई योजनाओं का ऐलान किया है, जो पूरे चुनाव का रुख मोड़ सकती हैं। 'रेवड़ी पर चर्चा' जैसी मुहिम से 'आप' हर वोटर के घर तक पहुंच रही है। पब्लिक को बार-बार याद दिला रही है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। लेकिन 'आप' के खिलाफ सरकार में 10 साल रहने की वजह से सत्ता विरोधी लहर काफी बढ़ गई है। कई वोटर बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। दिल्ली का विकास अवरुद्ध है, वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं की भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी हुई है। 'शीश महल' विवाद ने अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पार्टी की साफ सुथरी छवि धूमिल हुई है। इसके अलावा मतभेद की वजह से कई नेता छोड़ गए, इससे केजरीवाल की जीत की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। लगता है कि 'आप' की उलटी गिनती तो शुरु हो गयी है, देखना है वह कहां जाकर रूकती है। दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार सिर्फ 49 दिनों तक चल पाई। अरविंद केजरीवाल ने फ़रवरी 2014 में ये कहते हुए इस्तीफ़ा दे दिया कि दिल्ली विधानसभा में संख्या बल की कमी की वजह से वो जन लोकपाल बिल पास कराने में नाकाम रहे हैं, इसलिए फिर से चुनाव बाद पूर्ण जनादेश के साथ लौटेंगे। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए 'आप' ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। वर्ष 2020 में भी आप ने जीत का कीर्तिमान बनाते हुए 62 सीटें जीती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफ़ी रोचक होने वाला है लेकिन यह 'आप' के लिये चुनौतीपूर्ण होने के साथ संकटपूर्ण है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर भाजपा केजरीवाल को घेरने की पुरज़ोर कोशिश कर रही है। आप को भाजपा ही नहीं, कांग्रेस से भी बड़ा खतरा है। भाजपा ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोलते हुए उसे दिल्ली के लिये 'आप-दा' यानी बड़ा संकट कह दिया है। आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, एलजी ऑफिस के साथ टकराव और कई अन्य फैसले 'आप' की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

माघ का महीना कब से शुरु हो रहा है?

मकर संक्रांति के दिन माघ के महीने की शुरुआत होती है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार 11वां महीना माघ का महीना होता है। सूर्यदेव धनु राशि से निकालकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस माह में पवित्र नदियों में स्नान और दान-पुण्य के कार्यों का विशेष महत्व होता है। माघ के महीने में पवित्र नदियों में स्नान और दान-पुण्य के कार्यों का विशेष महत्व होता है। इस दौरान जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णुजी की पूजा-आराधना करने से भी विशेष फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा करने से घर में धन, सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है। आइए जानते हैं माघ महीने की शुरुआत कब हो रही है।

किस दिन शुरु हो रहा है माघ महीना?

हिंदू पंचांग के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन यानी 14 जनवरी 2025 को माघ का महीना शुरु हो रहा है। इस दिन सूर्यदेव मकर राशि में प्रवेश करेंगे और 12 फरवरी 2025 को माघ पूर्णिमा के दिन माघ महीने का समापन होगा।

माघ में महीने में क्या करना चाहिए

- इस माह में गरीबों और जरुरतमंदों को अपने क्षमतानुसार अन्न-धन का दान करें।

- माघ के महीने में पवित्र नदियों में स्नान करना काफी पुण्यफलदायी माना जाता है। माना जाता है कि इससे व्यक्ति के जीवन के सभी पाप-कष्ट दूर होंगे।

- माघ के महीने में तिल और गुड़ का सेवन करना उत्तम माना गया है।

- इस माह में भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा-आराधना करना चाहिए।

- माघ में नियमित तुलसी के पौधे पर जल अर्पित करें और माता तुलसी की पूजा करनी चाहिए।

- माघ के महीने में भोजन, वस्त्र और तिल का दान करना शुभ होता है।

भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना

प्रह्लाद सबनानी

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से बढ़ रही है। भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार द्रुत गति से बढ़ रहा है। कुल मिलाकर भारत अर्थ के क्षेत्र में विश्व में चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है। हाल में अमेरिका में जारी यूबीएस बिल्यनेर एंबिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनायर (अतिधनाढयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनायर की संख्या की दृष्टि से तीसरे स्थान पर आ गया है। बिलिनायर अर्थात वह नागरिक जिसकी संपत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है (यानी भारतीय मुद्रा में 8,400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति)। पहले स्थान पर अमेरिका (835 बिलिनायर) है और दूसरे स्थान पर चीन (427 बिलिनायर) है। पूरे विश्व में आज बिलिनायर की संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि 2015 में यह संख्या 1757 थी। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में बिलिनायर की संपत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई जबकि अमेरिका में बिलिनायर की संपत्ति 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़ कर 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। पूरे विश्व में बिलिनायर की संपत्ति बढ़ कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। इस रिपोर्ट यह संभावना भी जताई गई है कि आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनायर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं, जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परंपरा के अनुसार बढ़ा रहे हैं, और भारत में बिलिनायर की संख्या में वृद्धि और भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। भारतीय बिलिनायर की संख्या भारत में ही नहीं बढ़ रही है, बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनायर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं और अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेज कर यहां निवेश कर रहे हैं, और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के नागरिकों का महती योगदान रहता है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में रह रहे हैं, और हर साल अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं।

हाल में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी एक रिपोर्ट बताया गया है कि 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों ने भारत में भेजी है।

मां पार्वती को समर्पित है मध्य प्रदेश का यह मंदिर, इंद्र ने की थी इसकी स्थापना

हिंदू धर्म में मां पार्वती की महिमा का विशेष वर्णन मिलता है। माना जाता है कि मां पार्वती के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाली सभी परेशानियां दूर होती हैं। व्यक्ति के जीवन में खुशियों और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। मां पार्वती की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए कई भक्त मंदिरों में दर्शन के लिए आते हैं। देशभर में मां पार्वती को समर्पित ऐसे कई मंदिर हैं, जो किसी न किसी रहस्य के कारण फेमस हैं।

बता दें कि मां पार्वती को समर्पित एक ऐसा ही मंदिर मध्यप्रदेश के इंदौर में भी है। यहां पर भक्तों द्वारा मांगी गई सभी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं। इस मंदिर का नाम पार्वती मंदिर है और यह करीब 500 साल पुराना है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के इतिहास और इससे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं बता दें कि यह मंदिर इंदौर से 50 किलोमीटर दूर विंध्याचल पर्वत 3000 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। इसके चारों तरफ घना जंगल है। वहीं मंदिर की मान्यता काफी दूर-दूर तक फैली है।

टेक्नोलॉजी के विपरीत क्या फैसला देना उचित

मनोज चतुर्वेदी

मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेले गए भारत- ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट में आखिरी दिन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को जिस तरह से आउट दिया गया, उसने एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या टेक्नोलॉजी के विपरीत फैसला देना उचित है।

इस विवादास्पद फैसले का परिणाम पर क्या असर हुआ, यह अलग मसला है। हालांकि यशस्वी जिस समय आउट दिए गए, वह 84 रन पर खेल रहे थे और वह भारत को ड्रा की तरफ ले जाते नजर आ रहे थे। बहुत संभव है कि यह आउट नहीं दिया जाता तो मैच का परिणाम ड्रा रहता।

यशस्वी और ऋषभ पंत के खेलते समय भारत अच्छी स्थिति में नजर आने लगा था और ऑस्ट्रेलिया विकेट की जरूरत महसूस कर रहा था। इसी दौरान पैट कमिंस की लेग साइड पर ऊपर आती गेंद पर यशस्वी ने पुल करने का प्रयास किया और गेंद विकेटकीपर कैरी के ग्लब्स में चली गई। इस पर की गई अपील को अंपायर जोएल विल्सन के नकारे जाने पर पैट कमिंस ने डीआरएस लिया। स्लो मोशन में थर्ड अंपायर शरफुद्दौला को दिखा कि गेंद की ग्लब्स या बल्ले से लग कर दिशा बदली है। पर जब उन्होंने स्निको मीटर को देखा तो उसमें कोई हलचल नहीं दिखी। शरफुद्दौला ने गेंद की दिशा बदलने की वजह से आउट देने का फैसला किया जो विवादास्पद बन गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कमेंट्री करते समय इस फैसले पर नाखुशी जाहिर की। उनका कहना था कि जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं तो उसके हिसाब से ही फैसला करना चाहिए था यानी जब स्निको मीटर में कोई हलचल नहीं हुई तो यशस्वी को नॉट आउट दिया जाना चाहिए था क्योंकि मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था। वैसे भी नियमों के मुताबिक थर्ड अंपायर मजबूत साक्ष्य होने पर ही मैदानी अंपायर के फैसले को बदलता है और यहां स्पष्ट साक्ष्य नहीं था। वैसे भी कई बार गेंद देर तक स्विंग करती है, जिससे कई बार उसके बल्ले से लगने का भ्रम हो जाता है और इस मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। गेंद बल्ले या ग्लब्स से लगती तो स्निकोमीटर में कोई न कोई हलचल जरूर होती।

वहीं रवि शास्त्री ने तो कहा कि इस सीरीज में अंपायर ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज की भूमिका निभा रहे हैं। इस सीरीज के पर्थ टेस्ट में केएल राहुल के कैच नहीं दिए जाने के समय साफ दिख रहा था कि गेंद उनके बल्ले से लगी है, पर स्निको मीटर में हलचल नहीं दिखने की वजह से उन्हें कैच नहीं दिया गया था,

रामचरितमानस- जानिये भाग-1 में क्या क्या हुआ

गोस्वामी जी द्वारा रचित रामचरितमानस एक अनुपम और कालजयी कृति है, जिसका स्थान साहित्य की दृष्टि से ही नहीं बल्कि अध्यात्म की दृष्टि से भी सर्वोपरि है। उत्पत्ति, स्थिति और संहार करने वाली, क्लेशों को हरने वाली तथा सम्पूर्ण कल्याणों को करने वाली श्री रामचन्द्रजी की प्रियतमा श्री सीताजी को मैं नमस्कार करता हूँ।

पुण्यं पापहरं सदा शिवकरं विज्ञानभक्तिप्रदं
मायामोहमलापहं सुविमलं प्रेमाम्बुपूरं शुभम्।
श्रीमद्रामचरित्रमानसमिदं भक्त्यावगाहन्ति ये
ते संसारपतङ्गघोरकिरणैर्दह्यन्ति नो मानवाः॥

मित्रो ! सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता- अखंडता के लिए रामचरितमानस ने जो योगदान कई सौ वर्ष पूर्व किया था वह आज भी उतना ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक प्रासंगिक तथा आवश्यक है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि हम इसे जितनी बार रामचरितमानस पढ़ते हैं उतनी बार नए-नए भाव और अर्थ हमारे मन मस्तिष्क में उभरने लगते हैं। गोस्वामी जी द्वारा रचित रामचरितमानस एक अनुपम और कालजयी कृति है, जिसका स्थान साहित्य की दृष्टि से ही नहीं बल्कि अध्यात्म की दृष्टि से भी सर्वोपरि है, तो आइए ! समाज को सत्यं, शिवम और सुंदरम की राह दिखाने वाले इस परम पावन धर्म ग्रंथ में प्रवेश करें।

ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं। यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है।

यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस-लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं।

हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है। हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। भाषाओं को जिंदा रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से रिश्ते में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। यह समय अपने व्यवहार और पिछले समय में की गई गलतियों में सुधार लाने का है।

वृष राशि: आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। आज आपके ऊपर कुछ जिम्मेदारियां रहेगी। आज आप किसी धार्मिक कार्य संबंधी योजना बनायेंगे। आपका कही फंसा हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज कारोबार में छोटी-छोटी बारीकियां समझना जरूरी है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा। आज आपकी खास इच्छा पूरी होने की उम्मीद है।

कर्क राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर के रखरखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी योजना बना सकते है। आपकी संतान को सफलता मिलने से घर में खुशियाँ बढ़ेगी।

सिंह राशि: आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज ऑफिस में कार्यों को पूरा करने में आपका ध्यान लगा रहेगा। बॉस आपसे प्रसन्न होंगे। भविष्य को लेकर बनाई योजनाएं कारगर साबित होंगी ।

कन्या राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज बाहरी लोगों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत तथा पारिवारिक जीवन में न पड़ने दे। आज घर पर मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिससे लोगों का आना जाना लगा रहेगा।

तुला राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा की गतिविधियों से राहत पाने के लिए कुछ समय अपने लिए भी जरूर निकालें । आप अपनी पारिवारिक व व्यवसायिक जिम्मेदारियों को बखुबी अंजाम देंगे।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज पारिवारिक जीवन में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर करने का प्रयास सफल रहेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज व्यवस्थित दिनचर्या बनी रहेगी। प्रॉपर्टी संबंधी मामला रुका हुआ है तो उसको हल करने का उचित दिन है।

मकर राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रही समस्याओं से आज कुछ राहत मिलेगी । व्यक्तित्व को निखारने के लिए किये गये प्रयास का अच्छा परिणाम सामने आएंगे । आज समाज में आपकी छवि निखरेगी।

कुंभ राशि: आज आप अपने कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। आज किसी समारोह अथवा सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा। इस समय कई खर्चे सामने आएंगे,

मीन राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप आज टेक्नीकल वर्क सीख सकते है, जिसका आपको भविष्य में बेहतर लाभ होगा। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों का उनकी मनपसन्द जगह पर ट्रान्सफर होने की सम्भावना बन रही है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा के सूत्रों ने उन्हें बताया है कि आने वाले एक या दो दिनों में रमेश बिधूड़ी के नाम की आधिकारिक घोषणा भाजपा के सीएम चेहरे के रूप में की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं रमेश बिधूड़ी को बीजेपी का सीएम चेहरा बनने पर बधाई देता हूं। रमेश बिधूड़ी को बताना चाहिए कि उन्होंने सांसद रहते हुए दिल्ली के विकास के लिए क्या किया। दिल्ली के लिए उनका दृष्टिकोण क्या है?

किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें, ये इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ : सीएम योगी

लखनऊ (आरएनएस)। किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद नहीं बोलना चाहिये। हम जिस दिन मस्जिद बोलना बंद कर देंगे तो उस दिन लोग जाना भी बंद कर देंगे। यह इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ भी है कि किसी की भी आस्था को ठेस पहुंचाकर, वहां मस्जिद नुमा ढांचा खड़ा कर दिया हो। ऐसे स्थान पर किसी भी प्रकार की होने वाली इबादत खुदा को भी मंजूर नहीं होती है। जब खुदा को मंजूर नहीं होती है तो बेकार में वहां क्यों इबादत की जाए। वहीं इस्लाम में उपासना के लिए एक स्ट्रक्चर खड़ा हो, यह आवश्यक नहीं है जबकि यह सनातन धर्म में है। सनातनी उपासना के लिए मंदिर जाएगा, इस्लाम के लिए नहीं है। ऐसे में हमे किसी भी ढांचे को मस्जिद बोलने की जिद्द नहीं करनी चाहिये। यह समय एक नये भारत के बारे में सोचना के साथ आगे बढ़ने का है। हमे इस ओर ध्यान देना चाहिये। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महाकुम्भ मेला क्षेत्र में ऐरावत घाट पर एक निजी चैनल के कार्यक्रम में कही।

वर्ष 2013 में मां गंगा की गंदगी देख मॉरिशस के तत्कालीन पीएम के छलक आए थे आंसू

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक वर्ष पहले अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके रामलला का विराजमान होना और 144 वर्षों बाद इस तरह के मुहूर्त में महाकुंभ का होना, ये ईश्वर की कृपा है। सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ में पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों के साथ दक्षिण भारत के राज्यों से संतों का आगमन नहीं हो पाता था। वहीं इस बार महाकुंभ में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की तस्वीर देखने को मिलेगी। यहां हर जगह से संतों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी होगी। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी अगले 45 दिनों में प्रयागराज की त्रिवेणी में डुबकी लगाएगी। सीएम योगी ने विपक्ष के वार पर पलटवार करते हुए कहा कि हमने कभी नहीं कहा कि बीजेपी ने खुद को महाकुम्भ के आयोजन से जोड़ा है। इस आस्था को नई ऊंचाई देने से किसने रोका था। 2017 के पहले यही आयोजन गंदगी का पर्याय बनता था और अव्यवस्था होती थी। 2013 के महाकुंभ में क्या स्थिति थी। उन्होंने कहा कि मॉरिशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्नान करने आए थे और अव्यवस्था गंदगी देख आंखों से आंसू बहाकर दुखी मन से कहा था कि क्या यही गंगा है और वापस चले गये थे।

वर्ष-25 का महाकुम्भ सुव्यवस्था, आस्था और आधुनिकता के महासमागम के रूप में जाना जाएगा

सीएम योगी ने कहा कि मॉरिशस के लोगों ने मां गंगा की स्मृति को गंगा तालाब के जरिये संजोकर रखा है। उन्होंने मॉरिशस के प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि हमने उनसे संगम में डुबकी लगाने का आग्रह किया था। वह हमारा आग्रह स्वीकार कर प्रयागराज पहुंचे और 450 लोगों के साथ डुबकी भी लगाई। साथ ही काफी खुश हुए। सीएम ने कहा कि 2019 का कुंभ स्वच्छता के लिए जाना जाता है। 2025 का महाकुंभ सुव्यवस्था, आस्था और आधुनिकता के महासमागम के रूप में जाना जाएगा। बीजेपी की डबल इंजन सरकार इस आयोजन को भव्य-दिव्य तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारी कर रही है। साथ ही आस्था का सम्मान देते हुए मूर्त रूप दे रही है।

सीएम योगी ने संगम पर नदी के पानी में प्रदूषण पर बोले कि मैंने भी कुछ ऐसे बयान पढ़े थे और मैं यहां पर कई बार आया हूं। संगम के तट पर आकर जल को देखा है, जल की मात्रा को देखा है। जल से स्नान भी किया और उसका आचमन भी किया है। मेरा तो स्वास्थ्य खराब नहीं हुआ। कुछ लोगों ने दुष्प्रचार का एक ठेका ले रखा है। वहीं इससे पहले क्या था, इस पर कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में संगम में इतना व्यापक पैमाने पर जल की राशि देखने को नहीं मिली रही होगी। मौजूदा वक्त में 10 हजार तीन सौ से ज्यादा क्यूसेक पानी केवल गंगा और यमुना में है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के अवसर पर राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला महाभिषेक किया गया.

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा में प्रगति यात्रा के दौरान लोगों से बातचीत की।

मैं सुरंग के उद्घाटन के लिए सोनमर्ग की अपनी यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं - पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी (सोमवार) को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे। सुबह करीब 11:45 बजे वह सोनमर्ग सुरंग का दौरा करेंगे, इसके बाद उसका का उद्घाटन करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि मैं सुरंग के उद्घाटन के लिए सोनमर्ग की अपनी यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

बता दें कि सुरंग के उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। लगभग 12 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग सुरंग परियोजना का निर्माण 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। यह सुरंग समुद्र तल से 8,650 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है। यह श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच, लेह जाने के रास्ते पर सभी मौसमों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी। यह लैंडस्लाइड और हिमस्खलन वाले मार्गों को बायपास करते हुए, महत्वपूर्ण लद्दाख क्षेत्र तक सुरक्षित और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, यह पर्यटन को बढ़ावा देगी और सोनमर्ग को पूरे साल का गंतव्य बनाएगी।

2028 तक पूरा होने के लिए निर्धारित जोजिला सुरंग के साथ, यह मार्ग की लंबाई को 49 किमी से घटाकर 43 किमी कर देगा और वाहनों की गति को 30 किमी/घंटा से बढ़ाकर 70 किमी/घंटा कर देगा, जिससे श्रीनगर घाटी और लद्दाख के बीच निर्बाध नेशनल हाईवे-1 कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। यह बढ़ी हुई कनेक्टिविटी रक्षा रसद को बढ़ावा देगी, जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में आर्थिक विकास और सामाजिक-सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन निर्माण श्रमिकों से भी मिलेंगे, जिन्होंने सबसे कठिन परिस्थितियों में सावधानीपूर्वक काम किया है और इस इंजीनियरिंग उपलब्धि में उनके योगदान की सराहना करेंगे।

वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं सुरंग के उद्घाटन के लिए जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग की अपनी यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

8000 की सैलरी लेने वाला आज 28 हजार करोड़ का मालिक, पीएम मोदी ने बताई दिल की बातें

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पॉडकास्ट को लेकर निखिल कामथ चर्चा में बने हुए हैं। कामथ ऑनलाइन ब्रोकिंग फर्म जीरोधा के सह-संस्थापक हैं और फोर्ब्स की 2024 की वर्ल्ड बिलेनियर्स लिस्ट के मुताबिक, उनकी संपत्ति करीब 3.1 अरब डॉलर (28 हजार करोड़ रुपये) है। निखिल कामथ ने अपने करियर की शुरुआत एक कॉल सेंटर जॉब से की थी। इसके साथ ही उन्होंने साइड बिजनेस के तौर पर शेयर बाजार में ट्रेडिंग करना शुरू कर दिया था। इसके बाद 2006 में कामथ सब-ब्रोकर बन गए थे। फिर उन्होंने अपने भाई नितिन कामथ के साथ मिलकर डिस्काउंट ब्रोकिंग फर्म जीरोधा की शुरुआत की थी। जीरोधा के साथ कामथ ने डिस्काउंट ब्रोकरेज मॉडल पेश करके भारत के ब्रोकरेज बाजार में हलचल मचा दी।

केजरीवाल बड़े-बड़े बयान देते है, मगर पंजाब में आंदोलन कर रहे किसानों से एक बार भी बात नहीं की : विज

अम्बाला (आरएनएस)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने देशवासियों को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह हिन्दुस्तान का पुनर जागरण है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने कहा कि 500 साल से हमारे कण कण में विराजमान भगवान राम के जन्मस्थान पर अनाधिकृत कब्जा हुआ था। कब्जा छुडवाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन से वहां भव्य मंदिर बना है और प्राण प्रतिष्ठा हुई है तथा सारा देश आज वो कार्यक्रम लाइव देख रहा है। सांसद चंद्रशेखर आजाद के बयान कि महाकुंभ में वही लोग जाएंगे जिन्होंने पाप किए है पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री विज ने कहा कि सनातन को समझना हर आदमी के बस की बात नहीं है। सनातन के तहत क्या-क्या आयोजन क्यो व कब किए जाते है इसकी समझ भी उसी को होगी जो सनातन को समझता है। जिनको सनातन की समझ नहीं उन्हें बयान देने का अधिकार नहीं। दिल्ली चुनावों पर मंत्री अनिल विज का कांग्रेस पर तंज, कहा कांग्रेस का हाल न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी वाला है। दिल्ली चुनावों से पहले कांग्रेस ने दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपए देने का ऐलान किया है,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मेरठ में आईआईएमटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्रदान की.

भारत में बना हाइड्रोजन ट्रेन इंजन सबसे पावरफुल : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

भुवनेश्वर (आरएनएस)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला ट्रेन इंजन किसी भी देश द्वारा निर्मित सबसे शक्तिशाली इंजन है।

रेल मंत्री ने 18वें प्रवासी भारतीय दिवस पर आयोजित हरित संबंध- सतत विकास में प्रवासी भारतीयों का योगदान विषय पर पूर्ण सत्र के दौरान पैनल चर्चा में यह टिप्पणी की।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले ट्रेन इंजन में दुनिया के किसी भी देश द्वारा विकसित इंजन की तुलना में अधिकतम हॉर्स पावर आउटपुट है।

उन्होंने आगे कहा कि स्वदेशी तकनीक का उपयोग कर ऐसी उपलब्धि भारत को विकास के लिए हरित ऊर्जा का उपयोग करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनने के लिए प्रेरित करती है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, दुनिया में केवल चार देशों में हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें हैं, और वे 500 से 600 हॉर्स पावर के बीच ऊर्जा क्षमता का उत्पादन करती हैं। हमारे द्वारा निर्मित इंजन की क्षमता 1,200 हॉर्स पावर है, जो इस श्रेणी में अब तक का सबसे अधिक है।

केजरीवाल को दिल्ली से मिटाने का काम पूर्वांचली करेंगे : पप्पू यादव

वैशाली (आरएनएस)। लोकसभा सांसद पप्पू यादव ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए शनिवार को दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस सत्ता में आएगी।

उन्होंने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, पूर्वांचली को फर्जी कहने वाले केजरीवाल समझ लें कि जो बना सकते हैं, वह बिगाड़ भी सकते हैं। इस चुनाव में पूर्वांचल के लोग केजरीवाल को दिल्ली से मिटाने का काम करेंगे।

लोकसभा सांसद ने कहा कि केजरीवाल की आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में पूर्वांचली वोट के दम पर सत्ता में आई। उनकी आंखों में पानी नहीं है, केजरीवाल में शर्म नहीं बची है। मैं समझता हूं कि दिल्ली में कांग्रेस फिर से वापसी करेगी और कांग्रेस के साथ पूर्वांचली लोग हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूर्वांचली लोगों को सबसे पहले गाली देने का काम किया। अब अरविंद केजरीवाल बिहार और पूर्वांचल को गाली दे रहे हैं। पूर्वांचल के लोगों का घर कांग्रेस है। मैं दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का स्टार कैंपेनर हूं और दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इंडिया ब्लॉक में शामिल राजनीतिक दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन दिए जाने पर उन्होंने कहा कि समर्थन देने का अधिकार सभी को है। मैं उम्मीद करता हूं कि पूर्वांचल के लोग कांग्रेस के साथ रहेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक में शामिल राजनीतिक दल यदि कांग्रेस को गाली देंगे तो वह भाजपा के साथ हैं। पप्पू यादव इंडिया ब्लॉक के उन नेताओं को जवाब दे रहे थे जो हाल में कांग्रेस के खिलाफ गए हैं। साथ ही कई बार कह चुके हैं कि इंडिया ब्लॉक का गठन सिर्फ लोकसभा चुनाव 2024 के लिए हुआ था।

दिल्ली वालों पर आपदा बनकर टूटी है आम आदमी पार्टी : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद से ही भाजपा लगातार आम आदमी पार्टी (आप) पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सवाल उठा रही है। दिल्ली भाजपा के नेताओं ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इस दौरान उन्होंने दिल्ली से आप सरकार को उखाड़ फेंकने की बात कही।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, आज पूरी दिल्ली में एक ही चर्चा है कि दिल्ली में भाजपा सरकार चाहिए। बहाने नहीं बदलाव चाहिए, दिल्ली में भाजपा सरकार चाहिए। दिल्ली से आपदा सरकार को हटाना है, क्योंकि यह सरकार दिल्ली वालों पर आपदा बनकर भ्रष्टाचार के रूप में टूट पड़ी है। इस आपदा सरकार ने दिल्ली को झूठे जाल में फंसाया और ईमानदार जनता को टोपी पहनाई। इस सरकार ने दिल्ली में भ्रष्टाचार के शीश महल खड़े करने का काम किया। इसलिए आपदा सरकार को हटाना है और भाजपा सरकार बनाना है।

नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर कोहरे के बीच गणतंत्र दिवस परेड 2025 के लिए रिहर्सल के दौरान राष्ट्रपति गार्ड.

असम के दीमा हसाओ जिले में बाढ़ग्रस्त कोयला खदान से बचाव दल द्वारा दूसरे खनिक को निकाले जाने के बाद शव को ले जाते एनडीआरएफ के जवान.

अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के सीएम चेहरे को सार्वजनिक मंच पर डिबेट के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अब आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने यह कहा है कि सूत्रों से जानकारी मिली है कि भाजपा दिल्ली के सीएम के लिए रमेश बिधूड़ी के नाम पर मोहर लगा रही है। उन्होंने कहा कि रमेश बिधूड़ी को जनता के बीच सार्वजनिक मंच पर अपने साथ डिबेट के लिए आमंत्रित किया है और कहा है कि वह आकर अपना विजन और अपने 10 सालों के काम जनता को बताएं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली चुनाव लगभग नजदीक आ गए हैं और चुनाव में सब लोग जानना चाहते हैं किस पार्टी का कौन सीएम उम्मीदवार है। आम आदमी पार्टी की तरफ से शुरू से ही यह जगजाहिर था, पूरी पार्टी ने निर्णय लिया था और मेरे नाम के ऊपर सहमति थी कि अरविंद केजरीवाल सीएम उम्मीदवार होंगे। भारतीय जनता पार्टी का पता नहीं चल रहा था। कल उनकी सीईसी की मीटिंग हुई है (सेंट्रल इलेक्शन कमेटी) और सूत्रों से पता चला है कि उस मीटिंग में भारतीय जनता पार्टी ने शायद निर्णय लिया है कि रमेश बिधूड़ी भारतीय जनता पार्टी के सीएम उम्मीदवार होंगे। केजरीवाल ने कहा कि सूत्रों के मुताबिक ऐसा बताया जा रहा है कि एक-दो दिन में औपचारिक रूप से रमेश बिधूड़ी के नाम का ऐलान कर दिया जाएगा। मैं भारतीय जनता पार्टी के सीएम उम्मीदवार बनने के लिए तहे दिल से रमेश बिधूड़ी को बधाई देना चाहता हूं। मैं दिल्ली की जनता की ओर से मांग करता हूं कि रमेश बिधूड़ी बताएं कि उन्होंने 10 साल सांसद के तौर पर दिल्ली के लिए क्या-क्या काम किया। वह दिल्ली की जनता को बताएं कि उनका विजन क्या है। दिल्ली को लेकर वह और क्या-क्या काम करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा है जब उनके नाम का औपचारिक रूप से ऐलान हो जाएगा तो जनतंत्र को सुदृढ़ करने के लिए मैं यह भी चाहूंगा कि नाम का ऐलान होने के एक दिन बाद दिल्ली और देश के लोगों के सामने, सारे मीडिया के सामने, आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के जो भी सीएम कैंडिडेट होंगे, उनके बीच में एक सार्वजनिक डिबेट होनी चाहिए। जिसमें जनता देख सके कि वोट किसको देना है। इसने क्या काम किया, उसने क्या काम किया। इसका क्या विजन है उसका क्या विजन है। उन्होंने कहा कि हम इंतजार करेंगे। एक-दो दिन में शायद रमेश बिधूड़ी के नाम का औपचारिक ऐलान हो जाएगा।

साउथ के मशहूर अभिनेता राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गेम चेंजर' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस फिल्म में राम चरण के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी नजर आ रही हैं। फिल्म के निर्देशक एस शंकर, जो साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशकों में गिने जाते हैं, ने पहली बार तेलुगू फिल्म का निर्देशन किया है। कहानी- फिल्म की शुरुआत एक डूस-अधिकारी राम नंदन से होती है, जिसे विशाखापत्तनम का कलेक्टर नियुक्त किया गया है। इस किरदार में राम चरण नजर आते हैं। फिल्म में राम चरण ने डबल रोल निभाया है, जिसमें वह राम नंदन के पिता अप्पन्ना की भूमिका में भी दिखाई देते हैं।

नेगेटिव किरदार नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता देते हैं : रेवा कौरसे

टीवी शो 'दीवानियत' में अलीशा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रेवा कौरसे ने बताया कि नकारात्मक भूमिकाएं आपको प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती।

रेवा ने कहा, एक कलाकार के तौर पर अलीशा का किरदार निभाना मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव रहा है। वह कई परतों वाली एक जटिल भूमिका है और उसके डार्क पक्ष को तलाशना चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद दोनों रहा।

अभिनेत्री ने कहा, नकारात्मक भूमिकाएं आपको भावनाओं के साथ प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती।

बता दें, दीवानियत की मौजूदा कहानी में रेवा अलीशा का किरदार निभा रही हैं। धारावाहिक को काफी पसंद किया जा रहा है। कई ट्विस्ट कहानी में आ रहे हैं। ताजा एपिसोड में अलीशा का देव (मुख्य किरदार) के प्रति जुनून हताशा में बदलता दिख रहा है। देव और मन्नत के बीच के बंधन को स्वीकार करने में असमर्थ अलीशा देव का प्यार जीतने की चाह में जोड़े के बीच दरार पैदा करने की ठान लेती है।

अभिनेत्री ने अपने किरदार अलीशा को दिलचस्प बताया।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने अलीशा के किरदार के साथ बहुत कुछ सीखा है और इससे एक कलाकार के रूप में मेरे में काफी निखार आया। मैं दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए आभारी हूं और उम्मीद करती हूं कि कहानी के आगे बढ़ने के साथ-साथ वे शो को समर्थन देते रहेंगे। देव के प्रति अलीशा का जुनून एक गहरी भावनात्मक उथल-पुथल से उपजा है और मैं उसकी यात्रा को पूरी ईमानदारी से निभा रही हूं। 'दीवानियत' की कहानी जीत और मन्नत के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके बीच प्रेम का रिश्ता है मगर उनके परिवारों के बीच झगड़ा या आपसी मनमुटाव है। दीवानियत का प्रीमियर 11 नवंबर 2024 को स्टार प्लस पर हुआ था। यह डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।

इस सीरीज में कृतिका सिंह यादव, विजयेंद्र कुमेरिया और नवनीत मलिक मुख्य भूमिका में हैं। यह तमिल सीरीज 'ईरामना रोजवे' का हिंदी रीमेक है। रेवा को प्यार का पहला अध्याय शिव शक्ति में निभाए किरदार के लिए भी जाना जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर वरुण धवन की बेबी जॉन का निकला दम, जल्द सिनेमाघरों से हटाया जाएगा

वरुण धवन काफी समय से फिल्म बेबी जॉन को लेकर चर्चा में हैं। निर्माताओं को उम्मीद थी कि उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कमाई करेगी, लेकिन पहले ही दिन फिल्म का बंटाधार हो गया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ चुकी है।

हर गुजरते दिन के साथ फिल्म की दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है। कुछ दिनों से फिल्म का कारोबार लाखों में सिमटा हुआ है।

आइए बताते हैं 15वें दिन बेबी जॉन का क्या हाल रहा।

सैकनिल्क के मुताबिक, बेबी जॉन ने रिलीज के 15वें दिन यानी बुधवार को 20 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 39.15 करोड़ रुपये हो गया है।

द रोशंस का ट्रेलर जारी, दिखे परिवार के सपने और ताकत

शशि रंजन को-प्रोड्यूस-डायरेक्टेड, राकेश रोशन प्रोड्यूस डॉक्यू सीरीज 'द रोशन्स' का 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा। इसमें रोशन परिवार के जीवन के उतार-चढ़ावों और सफलता को दिखाया जाएगा। रोशन परिवार के सबसे चर्चित सितारे ऋतिक रोशन हैं। हाल ही में इस सीरीज का ट्रेलर लॉन्च हुआ है, जिसकी शुरुआत ऋतिक रोशन से होती है, वह अपने परिवार की कहानी सुनाते हुए नजर आते हैं। डॉक्यू सीरीज 'द रोशन्स' ट्रेलर की शुरुआत रोशन लाल नागरथ के बनाए बेहतरीन क्लासिक्स गीतों से होती है। ऋतिक रोशन उनके पोते हैं। ऋतिक सीरीज में अपने दादा जी गीत सुनते हुए, उनको याद करते हैं। ऋतिक रोशन के पिता भी हिंदी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता रहे, ००

बॉडीकॉन ड्रेस पहने अमायरा दस्तूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा, लेटेस्ट फोटोज देख फैंस हार बैठे दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री अमायरा दस्तूर हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हालांकि फैंस भी उनके हर एक लुक को देखकर अपनी नजरें उन पर से हटाने का नाम नहीं लेते। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका सेक्सी अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

अमायरा दस्तूर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंटरनेट पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिंगल डोरी पर टिकी फ्लोरल वनपीस ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं।

खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

फोटोज में आप देख सकते हैं अमायरा दस्तूर अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज दे रही हैं।

अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

पाताल लोक 2 का टीजर जारी, हाथीराम चौधरी बन लौट रहे जयदीप अहलावत

पाताल लोक सीजन 2 का मोस्ट अवेटेड टीजर रिलीज कर दिया गया है. जिसमें फैंस को जयदीप अहलावत के कैरेक्टर की एक झलक मिली. पुलिस ऑफिसर के रोल के लिए पहचाने जाने वाले हाथी राम को नए सीजन में और भी गहरे और खतरनाक वास्तविकताओं का सामना करना पड़ेगा है, जो अपराध, साजिश और भ्रष्टाचार की दुनिया में गहराई से उतरने का वादा करता है. पहले सीजन का प्रीमियर मई 2020 में हुआ जो अहलावत के शानदार प्रदर्शन और अपनी गहरी कहानी के चलते दर्शकों के बीच बहुत फेमस हो गया और दर्शक तब से ही दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे.

तो खेल खत्म, ऐसा थोड़ा ना होता है पाताल लोक में.पाताल लोक 2 के टीजर में हमें जयदीप अहलावत के कैरेक्टर को देखने का मौका मिलता है. जिसमें वह लिफ्ट में जाते हुए कहते हैं, एक कहानी सुनाऊं, एक गांव मे एक आदमी रहता था जिसे कीड़ों से नफरत थी, कहता था सारी बुराईयों की जड़ कीड़े हैं. फिर एक दिन उसके घर के कोने से एक कीड़ा निकला जिसने उस आदमी को काट लिया. लेकिन हिम्मत करके उस आदमी ने उस कीड़े को मार दिया. बस फिर क्या था बंदा पूरे गांव का हीरो बन गया सबने उसे सर आंखों पर बैठा लिया. अगली कई रातें वह चैन से मुस्कुराते हुए सोया. फिर एक सुनसान रात में उसके बिस्तर के नीचे अनगिनत कीड़े थे. उसे क्या लगा था एक कीड़े को मार दिया.

इसके बाद टीजर खत्म हो जाता है लेकिन टीजर में जयदीप का लुक काफी खतरनाक है जो दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है. पाताल लोक सीजन 2 जो 17 जनवरी से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल होगा. हाथी राम और उनकी टीम के जीवन को गहराई से देखने के लिए तैयार हो जाइए. यह शो अपनी डार्क और सीरीयस कहानियों को लेकर फेमस है. अहलावत के अलावा सीजन 2 में इश्वाक सिंह, तिलोत्तमा शोम और गुल पनाग जैसे नए कलाकार शामिल हैं.

रिलीज से पहले टॉक्सिक ने पुष्पा 2 को पछाड़ा, 24 घंटे के अंदर सबसे ज्यादा बार देखा गया यश की फिल्म का टीजर

केजीएफ स्टार यश अपनी अगली फिल्म टॉक्सिक की रिलीज के तैयार है. 8 जनवरी को यश के बर्थडे पर मेकर्स ने फिल्म से उनका फर्स्ट लुक जारी किया और उन्हें बर्थडे विश किया. यश का नया लुक लोगों को काफी पसंद आया. टॉक्सिक के ग्लिम्प्स ने 24 घंटे अंदर ही अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2: द रूल को पीछे छोड़कर एक नया रिकॉर्ड बनाया. उम्मीद की जा रही है कि फिल्म रिलीज के बाद भी कई रिकॉर्ड बनाएगी.

टॉक्सिक की ग्लिम्प्स ने 13 घंटे में पुष्पा 2 के व्यूज को पीछे छोड़ते हुए 50 मिलियन का आंकड़ा पार कर लिया. फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजयनबालन ने टॉक्सिक ग्लिम्प्स को लेकर अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें लिखा है, यश स्टारर टॉक्सिक ने अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 को पछाड़कर पहले 24 घंटों में सबसे ज्यादा देखी गई इंडियन ग्लिम्प बन गई है. केवीएन प्रोडक्शंस के यूट्यूब चैनल पर टॉक्सिक की ग्लिम्प्स को 24 घंटे में 3 करोड़ 60 लाख व्यूज मिल चुके हैं. इसे 5 लाख 51 हजार लाइक्स मिल चुके हैं. इसे भारतीय सिनेमा जगत में नया रिकॉर्ड बताया जा रहा है. इससे पहले फिल्म पुष्पा 2 की ग्लिम्प्स को 24 घंटे में 2 करोड़ 70 लाख व्यूज मिले थे. टॉक्सिक की ग्लिम्प्स ने इसे महज 13 घंटे में पार कर लिया. जूनियर एनटीआर स्टारर देवरा की ग्लिम्प्स 2 करोड़ 17 लाख व्यूज के साथ तीसरे स्थान पर है. गुंटूर खारम की ग्लिम्प्स चौथे स्थान पर है जबकि तमिल फिल्म कांगुवा की ग्लिम्प्स 5वें स्थान पर है. पहले केजीएफ बनाम पुष्पा की चर्चा थी. लेकिन अब यह टॉक्सिक बनाम पुष्पा 2 हो गया है.

गीतू मोनदास की निर्देशित टॉक्सिक: ए डार्क फेयरीटेल में यश अहम भूमिका में है.

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में नयनतारा भी है, जो यश की बहन का किरदार निभा रही हैं. कियारा आडवाणी फिल्म टॉक्सिक की हीरोइन हैं. फिल्म में हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया समेत कई बड़ी स्टारकास्ट भी हैं. हालांकि इन स्टार कास्ट की अब तक पुष्टि नहीं है. फिल्म को विदेशी भाषाओं में डब किया जाएगा.

बॉक्स ऑफिस पर अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 की पकड़ बरकरार, 35वें दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पैन इंडिया फिल्म पुष्पा 2: द रूल को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 35 दिन हो चुके हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाई थी, लेकिन 5वें हफ्ते में फिल्म के कलेक्शन में गिरावट देखी गई. कलेक्शन में गिरावट के बावजूद, फिल्म ने एक स्थिर ग्राफ बनाए रखा है और आने वाले हफ्तों में बॉक्स ऑफिस के और भी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है.

पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 35 दिन पूरे कर लिए हैं. इन 35 दिनों में इसने 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है. यह कई अन्य नई फिल्मों की रिलीज के बीच भी अपनी पकड़ बनाए रखी.

अजित के फैंस को नए साल पर लगा झटका, विदामुयार्ची की रिलीज डेट टली

नए साल पर अजित कुमार के फैंस को बड़ा झटका लगा है। अभिनेता की बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची को आखिरी वक्त में स्थगित कर दिया गया है। यह फिल्म पहले 10 जनवरी को बड़े धूमधाम से रिलीज होने वाली थी। अजित कुमार के प्रशंसक इस फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, 31 दिसंबर की रात को फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण इस फिल्म को बाद में रिलीज किया जाएगा। लाइका प्रोडक्शंस ने अपने बयान में कहा, अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण हमारी फिल्म विदामुयार्ची अब पोंगल के दिन रिलीज नहीं होगी। हम अपने सभी फैंस और शुभचिंतकों को नए साल के लिए शुभकामनाएं देते हैं। इस पोस्ट में फैंस को यह भी भरोसा दिलाया कि दर्शकों का इंतजार सार्थक होगा। 10 जनवरी का दिन किसी भी बड़ी बजट वाली फिल्म के लिए आदर्श रिलीज डेट माना जाता है,

दांतों को प्लाक और कैविटी जैसी समस्याओं से दूर रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

दांतों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा होना चाहिए। स्वस्थ दांत हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इनकी देखभाल में सही तरीके से ब्रश करना, माउथवॉश का उपयोग, चीनी का सेवन कम करना, डेंटिस्ट के पास नियमित जांच कराना और धूम्रपान व तंबाकू छोड़ना शामिल है।

इन उपायों को अपनाकर आप अपने दांतों को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं और अपनी मुस्कान को चमकदार बनाए रख सकते हैं।

सही तरीके से ब्रश करें

दांतों की सफाई के लिए सही तरीके से ब्रश करना बहुत जरूरी है।

दिन में कम से कम दो बार, सुबह और रात को सोने से पहले ब्रश जरूर करें। ब्रश करते समय ध्यान रखें कि आप हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए ब्रश करें ताकि मसूड़ों को नुकसान न पहुंचे।

टूथपेस्ट में फ्लोराइड होना चाहिए क्योंकि यह दांतों की सुरक्षा करता है और कैविटी बनने से रोकता है।

माउथवॉश का उपयोग करें

माउथवॉश का उपयोग करने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और बैक्टीरिया खत्म होते हैं।

माउथवॉश आपके मुंह के उन हिस्सों तक पहुंचता है जहां ब्रश नहीं पहुंच पाता। इसे रोजाना इस्तेमाल करने से मसूड़ों की सूजन कम होती है और सांसें ताजा रहती हैं।

ध्यान दें कि माउथवॉश का चयन करते समय उसमें अल्कोहल न हो क्योंकि यह मुंह को सूखा बना सकता है।

चीनी का सेवन कम करेंचीनी हमारे दांतों के लिए हानिकारक होती है क्योंकि यह कैविटी पैदा करती है और दांतों की बाहरी परत को कमजोर कर सकती है।

मीठे पेय पदार्थ, चॉकलेट या मिठाइयों का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अगर आप चीनी खाते भी हैं तो उसके बाद पानी पीकर मुंह साफ कर लें या फिर तुरंत ब्रश कर लें ताकि चीनी आपके दांतों पर ज्यादा देर तक न रहे और कैविटी का खतरा कम हो सके।

नियमित रूप से डेंटिस्ट के पास जाएं

हर छह महीने में एक बार डेंटिस्ट के पास जाकर अपने दांतों की जांच करवाना बहुत जरूरी होता है। इससे किसी भी समस्या का पता जल्दी चल जाता है और समय रहते उसका इलाज किया जा सकता है।

डेंटिस्ट आपकी ओरल हाइजीन को बेहतर बनाने के सुझाव भी देते हैं, जिससे आप अपने दांत लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं।

मौत के जोखिम को कम करने के लिए इस समय पीएं कॉफी, अध्ययन में आया सामने

कई लोग अपनी दिन की शुरुआत कॉफी से करना पसंद करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका हमारे शरीर पर कैसा असर पड़ता है?

इस बात का पता लगाने के लिए ही वैज्ञानिकों द्वारा कई तरह के अध्ययन किए गए हैं।

हालांकि, नए अध्ययन में पाया गया है कि कॉफी पीने से मिलने वाले लाभ इस बात पर निर्भर करते हैं कि आप इसे कब पीते हैं।

आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। कॉफी पीने के समय पर ध्यान देना है जरूरी- डॉक्टर लू एक अध्ययन के मुताबिक, अगर व्यक्ति कॉफी का सेवन सुबह के समय तक सीमित रखता है तो इससे समय से पहले मृत्यु आने का खतरा कम हो सकता है।

अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉक्टर लू क्यूई ने एक प्रेस रिलीज में कहा, यह कॉफी पीने का समय स्वास्थ्य परिणामों का परीक्षण करने वाला पहला अध्ययन है। हम अमूमन आहार के समय के बारे में सलाह नहीं देते, लेकिन शायद हमें इस बारे में सोचना चाहिए।

कॉफी और बीमारियों का संबंध

इस अध्ययन के मुताबिक, प्रतिभागियों द्वारा समय के साथ कॉफी के सेवन की जांच करने वाले अधिकांश पिछले अध्ययनों में पाया गया है कि मध्यम स्तर की कॉफी की खपत टाइप-2 मधुमेह, हृदय संबंधी बीमारियों और समय से पहले मृत्यु के कम जोखिम से जुड़ी हो सकती है।

हालांकि, लेखकों का कहना है कि आनुवंशिकी या अधिक कॉफी पीना जैसे कारक इस संबंधों को प्रभावित करते हैं या नहीं, इसके वैज्ञानिक प्रमाण विवादास्पद रहे हैं।

इस तरह से किया गया अध्ययन

इस अध्ययन के लेखकों ने साल 1999 से 2018 तक आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य और पोषण परीक्षा सर्वे से 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के 40,725 वयस्कों के आहार और स्वास्थ्य डाटा का अध्ययन किया।

इसमें लेखकों ने लाइफस्टाइल वैलिडेशन स्टडी के महिला और पुरुष दोनों संस्करणों से 1,463 वस्यकों के एक उपसमूह को भी शामिल किया, जिन्होंने एक सप्ताह का आहार रिकॉर्ड पूरा किया था और इसमें कैफीनयुक्त और बिना कैफीन वाले पेय शामिल थे।

सुबह के समय कॉफी पीने से इन चीजों का खतरा होगा कम

अध्ययन के लेखकों ने आहार रिकॉर्ड के साथ समय को तीन अवधियों में शामिल किया था, जिसमें सुबह 4 बजे से 11:59 बजे तक, दोपहर 12 बजे से शाम 04:59 बजे तक और शाम 5 बजे से सुबह 03:59 बजे थे।

इससे लेखकों ने पाया कि सुबह के समय कॉफी पीने से समय से पहले मृत्यु का जोखिम 16 प्रतिशत कम होता है और हृदय रोग से मरने का जोखिम 31 प्रतिशत तक कम होता है।

निष्कर्ष के लिए लेखकों ने इन कारकों पर दिया ध्यान

लेखकों का कहना है कि पूरे दिन कॉफी पीने वालों में ये जोखिम कम नहीं दिखे।

शब्द सामर्थ्य -293

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

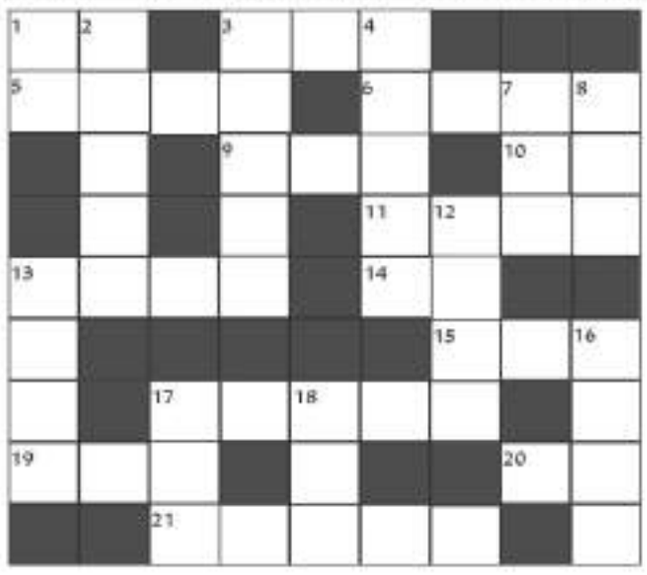

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 292 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	मैं			ज	र	दा		

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना लार्डगंज में सूर्य नारायण मिश्रा उम्र 42 वर्ष निवासी लालमाटी सिद्धबाबा रोड़ थाना घमापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह आशीष कम्प्यूटर में काम करता है आशीष कम्प्यूटर आशीष अहिरवार की दुकान है आज सुवह लगभग 11-30 बजे के बीच वह और राज अहिरवार ने रात्रि लगभग 10 बजे दुकान को ताला लगाकर घर चले गये थे सुवह लगभग 11 बजे आकर देखा एल ड्राप कटा हुआ था ताला लगा हुआ था दरवाजा खोलकर देखा पूरा सामान फैला हुआ था, ड्राज खुले हुये थे कागज बिखरे हुये थे

महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सुविधाओं पर पूरा फोकस-अश्विनी वैष्णव

5 लेवल पर सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से मॉनिटरिंग, रेलवे बोर्ड में वार रूम -अश्विनी वैष्णव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महाकुंभ 2025 के परिप्रेक्ष्य में प्रयागराज क्षेत्र के 9 रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से रेलवे बोर्ड द्वारा की जाने वाली मॉनिटरिंग व्यवस्था की शुरुआत की। उन्होंने 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में यात्रियों को सूचना देने के लिए तैयार की गई बुकलेट को भी जारी किया। साथ ही प्रयागराज स्टेशन पर 12 भारतीय भाषाओं में होने वाली उद्घोषणा के शुरू होने की घोषणा की । इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति का महा आयोजन है। संगम में स्नान के लिए प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के लिए प्रयागराज क्षेत्र के सभी 9 स्टेशनों पर व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे महाकुंभ अवधि में भारतीय रेल द्वारा 10000 नियमित गाड़ियों के अलावा 3100 से अधिक विशेष गाड़ियों का परिचालन किया जाएगा। स्पेशल गाड़ियों की संख्या पिछले कुंभ की तुलना में साढ़े चार गुना होगी। उन्होंने कहा कि 1186 सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से सभी स्टेशनों पर नजर रखी जाएगी। सभी स्टेशनों पर विशेष नियंत्रण कक्ष (वार रूम) स्थापित किया गया है । यात्रियों के लिए डायरेक्शन वाइस कलर कोडेड होल्डिंग एरिया बनाया गया है और अलग-अलग दिशा के लिए अलग-अलग रंग के टिकट जारी करने की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल महाकुंभ के लिए बार कोडेड यूटीएस प्रणाली भी लॉन्च की गई है।

रेलवे बोर्ड वार रूम

प्रयागराज मेला क्षेत्र के सभी 9 स्टेशनों पर भारतीय रेल द्वारा लगभग 1200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिसे प्राप्त फीड की मॉनिटरिंग और विश्लेषण की पांच स्तरीय व्यवस्था भारतीय रेल द्वारा की गई है। स्टेशन

12 भारतीय भाषाओं में भी होगा अनाउंसमेंट

पर स्थापित कंट्रोल रूम से स्टेशन के सभी प्लेटफार्म और सर्कुलेटिंग एरिया की मॉनिटरिंग की जाएगी। मंडल स्तर पर भी राउंड द क्लॉक मॉनिटरिंग हेतु अधिकारियों की टीम रहेगी ऐसे ही व्यवस्था जोनल स्तर पर भी की गई है। रेलवे बोर्ड में स्थापित वार रूम में ऑपरेटिंग, कमर्शियल, सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और रेल सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तैनाती रहेगी जो महाकुंभ के लिए संचालित सभी गाड़ियों और प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों की मॉनिटरिंग करेगी। स्टेशनों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यात्री सुविधाओं के सुचारू संचालन और आवश्यकतानुसार विस्तार के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा।यात्रियों की सेवा एवं सुविधा के लिए प्रयाग क्षेत्र के 9 रेलवे स्टेशनों को विशेष तौर पर तैयार किया गया है। इन स्टेशनों में प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, प्रयागराज संगम, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, प्रयागराज रामबाग स्टेशन और झूंसी स्टेशन शामिल हैं। प्रयागराज जंक्शन पर अनरिजर्व्ड क्लास के यात्रियों के प्रवेश हेतु भी अलग-अलग द्वार निर्धारित किए गए हैं, जबकि रिजर्व क्लास के यात्रियों को गेट संख्या 5 से स्टेशन में प्रवेश दिया जाएगा। होल्डिंग एरिया की कलर कोडिंग और अलग-अलग दिशा में जाने वाले यात्रियों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार की व्यवस्था दूसरे स्टेशनों पर भी की गई है। अनरिजर्व्ड टिकट प्रणाली में भी दिशा वार अलग-अलग रंग के टिकटों की व्यवस्था की गई है।

इस वर्ष मुख्य स्नान पर्व के लिए छः तिथियां निर्धारित हैं

- पौष पूर्णिमा- 13 जनवरी, 2025
- मकर संक्रांति- 14 जनवरी, 2025
- मौनी अमावस्या: 29 जनवरी, 2025
- बसंत पंचमी- 3 फरवरी, 2025
- माघ पूर्णिमा- 12 फरवरी, 2025
- महाशिवरात्रि- 26 फरवरी, 2025

सात नए प्लेटफॉर्मों के निर्माण के साथ प्रयागराज एरिया के सभी नौ स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई है। प्रयागराज एरिया के सात नए स्टेशनों पर सेकेंड एंट्री का डेवलपमेंट किया गया है। प्रयागराज स्टेशन के सैटेलाइट स्टेशन के रूप में सूबेदारगंज स्टेशन का विकास किया गया है। वर्ष 2025 के महाकुम्भ को लक्ष्य में रखते हुए 17 नए अस्थाई यात्री आश्रय का निर्माण किया गया है जिसके साथ ही प्रयाग क्षेत्र में रेलवे आश्रय स्थलों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। आश्रय स्थलों की होल्डिंग कैपेसिटी 21,000 से बढ़कर 1,10,000 हो गई है। प्रयाग क्षेत्र के सभी लेवल क्रॉसिंग गेट को बंद करते हुए 21 नए ऋह्लक्चह्य और ऋह्लक्चह्य का निर्माण किया गया है। जिससे रेल परिचालन अधिक सुगम हो गया है। भारतीय रेल द्वारा प्रतिदिन 10 लाख से अधिक टिकट जारी करने की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रियों को टिकट लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में 1186 सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसमें 764 नए कैमरे शामिल हैं। इनमें 116 कैमरा ऐसे हैं, जो फेस रिकॉग्नाइज करने में सक्षम हैं। पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित तरीके से संपादित करने हेतु रेलवे द्वारा 13,000 से अधिक कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा राजकीय रेल पुलिस के लगभग 10,000 जवान भी रेलवे स्टेशन और रेलवे परिसर में यात्रियों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे।

14 को मनाई जाएगी संक्रांति, सकारात्मक प्रभाव से व्यापारी वर्ग को होगा लाभ

व्याघ्र (बाघ)पर सवार होकर आ रही मकर संक्रांति

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिन पवित्र नदी में स्नान व उसके पश्चात दान किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य पंडित सौरभ दुबे के अनुसार इस साल मकर संक्रांति मंगलवार 14 जनवरी को माघ कृष्ण चतुर्थी में पुनर्वसु व पुष्य नक्षत्र के युग्म संयोग में मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रात: 9:32 पर मकर संक्रांति अर्की है। 14 जनवरी को प्रात: 9:32 से सूर्यास्त तक पुण्य काल रहेगा। इस वर्ष मकर संक्रांति 4 साल बाद विशेष रूप से पीले वस्त्र पहने, गदा हाथ में लिए और खीर का भक्षण करती हुई, बाल्यावस्था में प्रवेश कर रही है। जिसका वाहन बाघ रहेगा, यह संक्रांति पश्चिम दिशा में गमन कर रही है।इस वर्ष मकर संक्रांति पर खास तरह के शुभ संयोग बन रहे हैं। शुभ संयोग होने से मकर संक्रांति पर दान, स्नान और जप करने का महत्व बढ़ जाता है। इस साल मकर संक्रांति पर पुष्य नक्षत्र रहेगा, इसकी शुरुआत 14 जनवरी को सुबह 10.27 से होगी और समाप्ति 15 जनवरी को सुबह 10.50 पर होगी। पुष्य नक्षत्र के अधिपति शनि देव हैं, वहीं मकर संक्रांति भी शनि देव को समर्पित है। आइए जानते हैं मकर संक्रांति दिन किन चीजों का दान करना चाहिए। काले तिल का दान- मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदी में स्नान करने के बाद गरीब और जरूरतमंद को काले तिल का दान करने से शनि दोष दूर होता है। इस वर्ष मकर संक्रांति पुनर्वसु एवं पुष्य नक्षत्र विष्कुम्भ योग, वालव करण, मिथुन लग्न और कर्क राशि पर संक्रमण करेगी। शतभिषा नक्षत्र पर मकर संक्रांति होने से राजाओं में सुख शांति होती है रस पदार्थ दूध एवं खेती की उपज अधिक होती है गेहूं चना आदि अनाजों को उत्पादन अधिक और शुभ होता है मांगलिक कार्यों में वृद्धि होती है सभी प्रकार के रोगों का नाश होता है जनता निर्भय होती है क्षत्रिय एवं व्यापारी वर्ग को सुखद एवं लाभकारी रहेगा। नक्षत्र संकेत दे रहे हैं कि अनाज के मूल्यों में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं रहेगा साथ ही साथ राजनीतिक हलचल बढ़ेगी। इस बार मकर संक्रांति बाघ वाहन पर आई है और इसका उपवाहन अश्व है। यह संयोग ऋषि, मुनियों और तपस्वियों के लिए विशेष रूप से अच्छा रहेगा। बाघ वाहन का अर्थ है साहस, शक्ति और आत्मनिर्भरता का उदय, जबकि अश्व उपवाहन गति और ऊर्जा का प्रतीक है। यही वजह है कि संक्रांति शुभ संकेत लेकर आ रही है।

सूर्य भगवान छह महीने उत्तरायण और छह महीने दक्षिणायण होते है। उत्तरायण देवताओं का दिन होता है और राक्षसों की रात होती है। दक्षिणायण काल में देवताओं की रात्रि और राक्षसों का दिन होता है। दक्षिणायन में किसी भी तरह का शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। सूर्य जय उत्तरायण की स्थिति में आता है अर्थात मकर राशि में प्रवेश करता है, इसके बाद ही शुभ कार्य संपन्न करना चाहिए। मंगलवार को मकर संक्रांति पड़ने से अनाजों के भाव में तेजी आती है तथा छल कपट की वृद्धि होती है शीत लहर का प्रकोप से जन धन की खेती होती है खंड वृष्टि भी संभावित होती है साथ ही साथ अन्न का उत्पादन भी अधिक होता है और जनता सुखी होती है। बाघ वाहन होने से सूर्य की किरणें तेज होती हैं। तेज की वृद्धि होती है, यज्ञ, धर्म, धार्मिक उत्सव आदि अधिक होते हैं। संक्रांति पर पुण्य काल के समय पवित्र नदियों में डुवकी लगाने की मान्यता है। इससे पुण्य फल की प्राप्ति होती है। 14 जनवरी को स्नान-दान करना, दान, जप, तुलादान, गौदान, स्वर्णदान, वृक्षारोपण करना शुभ होगा।

कुल शरीफ का एहतेमाम किया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सरकार गरीब नवाज अजमेरी के उर्स के नौवे कुल के मौक़े पर जनाब अब्दुल समद द्वारा नजरों न्याज़ व कुल शरीफ का एहतेमाम किया गया। हाफ़िज़ इमरान साहब ने मुल्क की तरक्की खुशहाली की खास दुआएं मांगी । नजरों न्याज़ उपरांत तबरुख तक़सीम किया गया। इस दौरान हाजी मोहम्मद जावेद अत्तारी, मुखिया जी, गुलाम गौस अत्तारी, नबाब अत्तारी, हामिद खलील, इस्माइल जुनेद अत्तारी सहित सैकड़ो अक़ीदतमंद मौजूद रहे ।

मारपीट करने वाले आरोपी की तलाश

जबलपुर- थाना पाटन में रात्रि में दशरथ बेन उम्र 44 वर्ष निवासी ग्राम आरछा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि शाम मजदूरी करके घर वापस आया रात लगभग 8-30 बजे उसका छोटा भाई धर्मेन्द्र और धर्मेन्द्र की पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हो रही थी तो वह धर्मेन्द्र को समझाने लगा तो धर्मेन्द्र का लड़का राज बेन बोला कि मेरे माता पिता के झगड़े में बीच मे बोलने की जरूरत नही है कहकर गाली गलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो राज बेन घर से तलवार लेकर आया

छात्रों में है वैज्ञानिक प्रतिभा का असीम भंडार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। छात्रों के अंदर वैज्ञानिक प्रतिभा का असीम भंडार है। यदि इन्हें समुचित मार्गदर्शन और थोड़ा सा आर्थिक सहयोग मिले तो ये वैज्ञानिक क्षेत्र में देश को वैश्विक पहचान दिला सकते हैं। उक्त उद्गार निकिता कांवेंट स्कूल द्वारा आयोजित विज्ञान मेले में छात्रों द्वारा बनाए गए विभिन्न मॉडलों का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि व भारत रक्षा मंच के क्षेत्रीय सह संगठन प्रमुख डॉ. एच. पी. तिवारी ने व्यक्त किए। कार्यक्रम अध्यक्ष संजय तिवारी ने छात्रों की प्रतिभा के साथ ही इनके मार्गदर्शक शिक्षकों की मेहनत, लगन और समर्पण की सराहना की। संस्था की सचिव श्रीमती निधि गुप्ता ने बच्चों की प्रतिभा के विकास में अभिभावकों के सहयोग पर बल दिया। प्राचार्य श्रीमती सुनीता पाठक ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने ग्लोबल वार्मिंग,जल विद्युत संयंत्र,हाइड्रोलिक ब्रिज, सोलर सिस्टम ,चंद्रयान,संसद भवन और श्रीराम मंदिर सहित सैकड़ों आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। इस अवसर पर आनंद मेले का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में सर्व श्रेष्ठ अभिभावक का पुरस्कार मेघा व दीपक अहिरवार और कैंसर हयात व कनिजा जी को तथा मेधावी विद्यार्थी का पुरस्कार जिया ठाकुर और तनवीर फातिमा को प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार जोया परवीन और संस्कृति साहू को दिया गया।

ग्राम सूखा में राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकास खण्ड पनागर जबलपुर नवांकुर संस्था सेक्टर क्रमांक 4 बरौदा अध्यक्ष अजय पटेल द्वारा जिला समन्वयक श्री प्रदीप तिवारी जी, समन्वयक भारत महरौलिया जी विकास खण्ड पनागर जी के निर्देशानुसार आज ग्राम पंचायत सूखा में आज 12/1/2025 समय 12 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया गया।आयोजित कार्यक्रम में संस्कार केंद्र, विवेकानंद वाचनालय केंद्र और जन सूचना केंद्र की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम सूखा में विवेकानंद जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित करना और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में अतिथि ग्राम सरपंच डॉ रितेश सिंह, ग्राम सचिव मनीष पटेल,पुष्पराज त्रिपाठी, हेमराज मंडल अध्यक्ष, नवांकुर संस्था अध्यक्ष अजय पटेल ,राम रुद्र पटेल , अध्यक्ष सतीष पटेल, सचिव यस ठाकुर, प्रेम ठाकुर, ऊषा चौधरी, किरण काछी,कार्यक्रम में सभी समिति सदस्यों बी एस डब्लू,,एम एस डब्लू छात्रों एवं ग्रामीण जनों की उपस्थित रही है।

राम जपो जी ऐसे ऐसे ध्रुव प्रह्लाद जपिओ हरि जैसे

आत्म रस कीर्तन दरबार में गूंजी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की अमृत गुरुवाणी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की अमृत मयी गुरुवाणी गूंज रही थी राम जपो जी ऐसे ऐसे ध्रुव प्रह्लाद जपिओ हरि जैसे । अवसर था आत्मरस कीर्तन दरबार का । आज रात गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार गोरखपुर में नव वर्ष और नव मास का प्रथम आत्म रस कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें गुरुद्वारा ढ़ाताल के हुजूरी रागी जत्था भाई नरिंदरसिंह एवं गोरखपुर के भाई बलजीत सिंह एवं साजिंदे साथियों ने रस भीनागुरुवाणी शबद कीर्तन पेश कर साध संगत कोआत्म विभोर कर दिया। प्रधान साहब सरदार राजेंद्र सिंह छाबड़ा महासचिव मनप्रीत सिंह आहूजा हरजीत सिंह सूदन, नन्द पाल सिंह जस्सल एवं प्रबंधन समिति ने रागी जत्थों को शाल एवं सिरोपा प्रदान कर सम्मानित किया। तदोपरांत कड़ाह प्रसाद एवं गुरु का लंगर वितरित किया गया।

समाज में व्याभप्त बुराईयों को दूर करने का सशक्तय माध्याम है परिचय सम्मेसलन- राकेश सिंह

चौरसिया समाज के युवक-युवती परिचय सम्मे लन में शामिल हुए लोक निर्माण मंत्री

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने परिचय सम्मेलन को समाज में व्यांप्तस कुरीतियों एवं विसंगतियों को दूर करने का अच्छश और सशक्त् माध्यनम बताया है। आज रविवार को अग्रवाल बरातघर शीतलपुरी चौरसिया समाज द्वारा आयोजित परिचय सम्म्लन को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा है कि समाज के बड़े बुजुर्गों की मौजूदगी में आयोजित किये जाने के फलस्वैरूप ऐसे कार्यक्रम दहेज मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वू पर्ण कदम साबित होते हैं, साथ ही वैवाहिक संबंधो को भी मजबूती प्रदान करते हैं। लोक निर्माण मंत्री ने सम्मेलन में चौरसिया समाज की परिणय पत्रिका का विमोचन भी किया।

लोक निर्माण मंत्री ने अपने संबो?धन में ऋषि चौरसी द्वारा चौरसिया समाज के लिए दिये गये योगदान का स्मंरण करते हुए परमपूज्यन बाबा श्री बाबा को भी याद किया। श्री सिंह ने कहा कि आज वे जो कुछ भी हैं और जहां भी हैं वो बाबा श्री बाबा के चरणों की दया और कृपा के बलबूते ही हैं। सनातन क्याभ है और हिन्दुएत्वो क्याा है यह बाबा श्री बाबा के चरणों में रहकर ही वे जान सके हैं। उनकी एक-एक वाणी पर कई ग्रंथ लिखे जा सकते हैं। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि परमपूज्यं बाबा श्री बाबा की तपस्या अतुलनीय है। उन्हों ने कई संस्का र बाबा श्री के चरणों में रहकर ही सीखे हैं। लोक निर्माण मंत्री ने चौरसिया समाज से अपने सामाजिक कार्यक्रमों में ऋषि चौरसी के साथ-साथ बाबा श्री बाबा के भी चित्र लगाने का आग्रह किया।

श्री सिंह ने चौरसिया समाज की समाजिक कार्यों के लिए भवन की मांग पर कहा कि समाज के जिम्र्मेदार लोग पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में स्थेल का चयन कर लें। भवन के निर्माण के लिए जो भी राशि आवश्यनक होगी वे अपनी विधायक निधि से प्रदान करने को तैयार हैं, बशर्ते समाज के भवन का नाम बाबा श्री बाबा के नाम पर रखा जाये। परिचय सम्मे लन में लोक निर्माण मंत्री का सकल चौरसिया समाज द्वारा शॉल और स्मृ ति चिन्हय भेंट कर सम्मांन किया गया।

सम्मेसलन में क्षेत्रीय पार्षद प्रतिभा भापकर, मंडल अध्यचक्ष जागृति शुक्लाा एवं श्री सोनू बचवानी का भी चौरसिया समाज की ओर से सम्मानि किया गया। सम्मेचलन में चौरसिया समाज के राष्ट्री य अध्यीक्ष गौरव चौरसिया, चौरसिया समाज के जिला अध्य क्ष प्रमोद चौरसिया, महासचिव राजीव चौरसिया, युवा चौरसिया समाज के अध्य क्ष राहुल चौरसिया तथा समाज के सभी पदाधिकारी एवं गणमान्यर नागरिक मौजूद थे।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी बरगी कमलेश चौरिया ने बताया कि विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि अनिल बर्मन नाम का व्यक्ति मन्शी मोहल्ला में अपने घर के आंगन में भारी मात्रा में देशी शराब कुप्पों में भरकर वाहन के इंतजार में खड़ा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति कुप्पों के साथ मकान के आंगन में खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया नाम पता पूछने पर अपना नाम अनील बर्मन उर्फसूजल उम्र 21 वर्ष निवासी मन्शी मोहल्ला बरगी बताया

सूर्य नमस्कार ऊर्जा का उद्गम और युवा ऊर्जा का प्रवाह - लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह

युवा दिवस पर मॉडल हाई स्कूल में आयोजित किया गया सामूहिक सूर्य नमस्कार का जिला स्तरीय कार्यक्रम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस पर आज पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल स्कूल में आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार के जिला स्तरीय कार्यक्रम में लगभग एक हजार छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, संभागायुक्त अभय वर्मा, कलेक्टर दीपक सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय भी शामिल हुये और विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार और प्राणायाम किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के व्यक्तित्व से कोई भी अनभिज्ञ नहीं है। उनका नाम सुनकर हृदय में श्रद्धा भाव की उत्पत्ति होती है। स्वामी विवेकानंद जी युवाओं के आइकन हैं पर उन्हें सिर्फ आइकन के रूप में ही नहीं बल्कि कैरेक्टर के रूप में आत्मसात करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी हमेशा कहा करते थे कि युवाओं को आगे बढ़ना है, ऊंचाइयों पर जाना है तो चरित्र निर्माण के साथ आगे बढ़ना होगा। युवा चरित्र और संस्कार से पूर्ण होंगे तो देश का भविष्य उज्वल होगा। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु के रूप स्थापित होने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारत के युवाओं को ऊर्जावान, चरित्र संपन्न एवं एकजुट होकर भारत माता के लिए सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की आवश्यकता है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सूर्य नमस्कार का अर्थ ऊर्जा का उद्गम है और युवाओं का अर्थ ऊर्जा का प्रवाह। इन दोनों के संगम से भारत अधिक ऊर्जावान होकर आगे बढ़ेगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव निरंतर प्रयासरत हैं कि मध्यप्रदेश का युवा अच्छी शिक्षा और संस्कार के साथ मध्यप्रदेश को भी विकसित भारत के साथ विकसित मध्यप्रदेश के रूप में आगे बढ़ाये। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुये सामूहिक सूर्य नमस्कार को ऊर्जा को आत्मसात करने का अवसर बताया और इस अवसर पर संकल्पित होकर आगे बढ़ने का आव्हान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का सन्देश आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारण किया गया। स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो धर्म सम्मेलन में दिए गए भाषण का हिंदी अनुवाद भी कार्यक्रम में प्रसारित किया गया। सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम के प्रारम्भ में राष्ट्र गीत वन्देमातरम का रेडियो से प्रसारण किया गया। आकाशवाणी भोपाल से प्रसारित सन्देश के अनुरूप स्कूली बच्चों ने सूर्य नमस्कार के आसन किये साथ ही प्राणायाम भी किया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान की प्रस्तुति से हुआ।सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम के समापन पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने आभार प्रदर्शन किया । कार्यक्रम का संचालन संदीपा स्थापक पचौरी ने किया। प्रारम्भ में कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर मॉडल स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया । जिले के मुख्य कार्यक्रम के साथ ही जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सभी शैक्षणिक संस्थाओं में भी आज सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सीएम राइस स्कूल छपरा के छात्र छात्राओं ने किया सामूहिक सूर्य नमस्कार

विधायक संतोष वरकड़े के मुख्य आतिथ्य में सीएम राइस स्कूल छपरा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमति रागिनी डेनियलम, शिक्षकगण तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दुष्कर्म पीड़िता के जन्म से एक साल पहले ली गई फोटो पर हाईकोर्ट भी चौंकी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान आश्चर्य जताते हुए सवाल किया कि किसी के जन्म से एक वर्ष पूर्व उसकी फोटो कैसे खींची जा सकती है। लिहाजा स्कूल के दस्तावेज में दुष्कर्म पीड़ित छात्रा के जन्म से एक वर्ष पहले खींची गई फोटो चस्पा किए जाने की जांच आवश्यक है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने रीवा के पुलिस अधीक्षक को यह जिम्मेदारी सौंप दी है। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि सुनवाई का अवसर देकर सरस्वती ज्ञान मंदिर, मऊगंज के विरुद्ध समुचित कार्रवाई करें। मामले की अगली सुनवाई 22 जनवरी को निर्धारित की गई है।

आवेदक रीवा निवासी मेहंदी हसन की ओर से अधिवक्ता एसके कश्यप ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आवेदक के विरुद्ध दुष्कर्म को आरोप लगा है। पीड़िता को नाबालिग बताने स्कूल के फर्जी दस्तावेज लगाए गए हैं। 2016-17 की जो अंकसूची प्रस्तुत की गई है, उसमें छात्रा की जन्मतिथि तीन मई 2004 दी दर्ज है, जबकि प्रवेश-प्रपत्र में जो फोटो चस्पा की गई है, वह 10 जुलाई, 2003 को खींची गई है। मऊगंज थाने की जांच अधिकारी प्रज्ञा पटेल ने कोर्ट में उपस्थित होकर बताया कि छात्रा ने उक्त स्कूल में कभी भी पहली कक्षा में प्रवेश नहीं लिया था।

कोर्ट ने इसे गंभीर मामला बताया

वहीं लोक अभियोजक ने बताया कि सात जनवरी को प्रस्तुत केस डायरी में प्रवेश प्रपत्र संलग्न नहीं था, इसे बाद में जोड़ा गया है। हाई कोर्ट ने इस पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि यह मामला गंभीर है कि उच्चाधिकारी की अनुमति बिना केस डायरी में नया दस्तावेज कैसे जोड़ दिया।

नाबालिगा का अपहरण कर गैंगरेप, चचेरी बहन के जन्मदिन में जाने घर से निकली थी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। दमोह. एमपी के दमोह में सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया है. यहां 11 साल की बालिका का उस वक्त अपहरण कर लिया गया. जब वह अपनी चचेरी बहन के जन्मदिन पार्टी में जा रही थी. बदमाश उसे कार में बिठाकर तालाब किनारे सूनसान स्थान पर ले गए. जहां पर तीन बदमाशों ने बारी बारी से रेप किया. जब वह बेहोश हो गई तो छोड़कर भाग निकले. पुलिस अधिकारियों के अनुसार दमोह के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली बालिका मोनिका (परिवर्तित नाम) उम्र 11 वर्ष अपनी चचेरी बहन के जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए घर से निकली. जब वह सूनसान क्षेत्र से गुजर रही थी इस दौरान कार से तीन बदमाश आए, जिन्होने धमकी देते हुए मोनिका को बिठाया और तालाब किनारे सूनसान स्थान पर ले गए. यहां पर तीनों ने मोनिका के साथ बारी-बारी से बलात्कार किया. बालिका जब बेहोश हो गई तो छोड़कर भाग गए. इधर परिजन यही समझ रहे थे कि मोनिका जन्मदिन पार्टी में शामिल होने गई है. होश में आने पर मोनिका अस्त-व्यस्त हालत में घर आई तो उसकी हालत को देख परिजन घबरा गए. पूछताछ करने पर बालिका ने घटनाक्रम की जानकारी दी. परिजन उसे थाने लेकर आए और शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने नाबालिगा की हालत को देखते हुए जिला अस्पताल पहुंचाया. जहां पर हालत को देखते हुए भरती कर लिया गया है. इधर पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों आरोपी बृजेश अहिरवार उम्र 20 वर्ष, सचिन विश्वकर्मा उम्र 21 वर्ष व शिवा अहिरवार 19 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है. एक आरोपी बृजेश अहिरवार पीड़िता का पूर्व परिचित है.

गैरीसन ग्राउंड में फेंसिंग करने पहुचे सेना के जवान, रहवासियों ने किया विरोध

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित गैरीसन ग्राउंड सदर में उस वक्त विवाद के हालात निर्मित हो गए. जब सेना के जवान फेसिंग करने पहुंचे तो क्षेत्रीय लोगों ने विरोध शुरु कर दिया. लोगों का कहना था कि मैदान बच्चों के खेलने के लिए व लोग सुबह घूमने के लिए आते है. विवाद बढ़ते देख पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले को सम्हाला. बताया जाता है कि कुछ दिन पहले ही गैरीसन ग्राउंड में एक युवक को सांड ने उठाकर पटक दिया था. जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना के बाद सेना के अधिकारियों ने मैदान को सुरक्षित करने का फैसला लिया. जिसके चलते आज सेना के जवान पहुंचे और फेंसिंग करने लगे. जिसपर आसपास के लोग पहुंच गए और विरोध शुरु कर दिया. उनका कहना है कि यह मैदान बच्चों के खेलने और लोगों के घूमने की जगह हैए जिसे घेरना गलत है. बढ़ती भीड़ को देखते हुए कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला. लोगों का कहना था कि यदि मैदान के चारों

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 437/ 2024/2025 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती रचना पटेल, पति- श्री देवेन्द्र पटेल, 2. श्रीमती मोनाली साहू, पति- श्री गोविन्द साहू,** ने भवन क्रं. 877/ए पिन क्र. 1000501182, **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री राम प्रसाद साहू, भूतल 775 व.फु., **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

जुए के फड़ों पर छापा, 12 जुआड़ी गिरफ्तार, 8 हजार 200 रुपये जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी सिविल लाईन श्री नेहरू सिंह खण्डाते ने बताया कि देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि पावर हाउस के पास शंकर मंदिर के पास तथा गोकुलदास घर्मशाला के पास कुछ लोग ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं सूचना पर मुखबिर के बताये स्थानों पर दबिश दी गई जहां शंकर मंदिर के चबूतरा में लाइट के उजाले में अमित सिंह नेगी निवासी बम्बा देवी मंदिर के पास घमापुर, राहुल पटैल निवासी चाचा किराना के पीछे पटेल मोहल्ला घमापुर, गोपाल सिंह चंदेल निवासी छुई खदान सिविल लाईन एवं संजय पाण्डै, शैलेन्द दुबे दोनों निवासी पावर हाउस के पीछे इंद्रामार्केट, रामाधार चौधरी उर्फ प्रिंस निवासी पुरानी बस्ती कांचघर तथा विजय मिश्रा निवासी मालगुजार परिसर अमखेरा गोहलपुर, सत्यप्रकाश वर्मा निवासी शंकर जी मंदिर के सामने तलैया गुजराती कालोनी चेरीताल कोतवाली, पवन ठाकुर निवासी शुक्ला होटल कांचघर घमापुर के जुआ खेलते मिले ।

सिद्धि बाला बोस लायब्रेरी एसोसियेशन, सिटी बंगाली क्लब शताब्दी समारोह का भव्य शुभारंभ

शताब्दी गुब्बारा लहराया ध्वज, प्रतीक चिन्ह, क्लब का शताब्दी गीत लोकार्पित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बंग झाशियों की प्राचीन व प्रमुख संस्था सिद्धी बाला बोस लाइब्रेरी एषोसियेषन का षताब्दी समारोह का भव्य षुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेष के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेष सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर बताब्दी समारोह का विधिवत पुभारंभ किया। शुभारंभ के मौके पर आतिषबाजी और बांग्ला संस्कृति के अनुरूप धंख ध्वनि और शुभ ध्वनि ऊलू के साथ आतिषबाजी के मध्य षताब्दी समारोह का बुभारंभ हुआ। आज से प्रारंभ हुआ षताब्दी समारोह पूरे वर्श भर चलेगा । मुख्य अतिथि श्री राकेष सिंह ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुश्प अर्पित करते हुए षताब्दी गुब्बारे को आकाष में छोड़ा मुख्य अतिथि का बांग्ला रीति-रिवाज से स्वागत किया गया। श्री

राकेष सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का विधिवत षुभारंभ किया। इस दौरान बंख और ऊलू ध्वनि से पूरा सभागृह गूंज उठा । रविन्द संगीत और बंदेमातरम् गायन के साथ कार्यक्रम की बुरुजात हुई साथ ही ओडिसी स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया ।

विषिश्ठ जनों का हुआ सम्मान-

इस मौके पर श्रीमति जयश्री बैनर्जी, श्रीमती प्रीर्ति भादुडी, श्री एस.पी. दत्ता, श्री संदीप विष्वास, संतोश देवधरिया एवं मानतोश दत्त का सम्मान किया गया ।

ध्वज, प्रतीक चिन्ह, गीत का लोकार्पण- इस अवसर पर बताब्दी ध्वज, प्रतीक चिन्ह और गीत का लोकार्पण किया गया। बंगाली संस्था के पदाधिकारियों का सम्मान इस मौके पर जबलपुर के विभिन्न बंगाली कालीवाडी, संस्था के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। जिसमें डीबी क्लब विवेक व्हीएफजे, वेस्टलैण्ड खमरिया, रांझी कालीवाडी, रांझी बंगाली कॉलोनी, रामकृश्ण मिषन, अधारताल दुर्गा पूजा समिति, नर्मदा दुर्गा पूजा समिति, प्रेमनगर कालीवाडी, अग्रवाल कालोनी दुर्गा पूजा, दक्षिण जबलपुर बंगाली एषोसियेषन, नारी मंगल समिति, निखित भारत बंग साहित्य सम्मेलन, बंगाली समाज वेलफेयर सोसायटी, जगधात्री पूजा समिति, मनसा पूजा समिति, केन्ट दुर्गा उत्सव समिति, भारत सेवाश्रम आदि संस्था के पदाधिकारी का सम्मान किया

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 436/ 2024/2025 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती अर्जिता सिंह, पति- श्री शशि पाल सिंह** ने फ्लैट क्रं. 302 पिन क्र. 1004038699 का भाग, **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) एस.के.बी. प्रोजेक्ट प्रा.लि. डायरेक्टर श्री संकल्प पारवानी, छटवीं मंजिल 1133 व.फु., **विक्रयपत्र, अनुबंध पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 435/ 2024/2025 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री बिहारी लाल विश्वकर्मा, पिता- स्व. श्री रामदीन, 2. श्रीमती सावित्री विश्वकर्मा, पति- श्री बिहारीलाल विश्वकर्मा,** ने भवन क्रं. ई.डब्ल्यू.एस./जी-6 पिन क्र. 1000597293, **वार्ड क्र. 01, वार्ड गढ़ा,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री मूलचंद तुलसवानी, भूतल 420 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 434/ 2024/2025 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री डालचंद जैन, पिता- स्व. श्री कुन्जी लाल जैन** ने भूखंड क्रं. 08 का हिस्सा पिन क्र. 1000535173, **वार्ड क्र. 03, वार्ड त्रिपुरी,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री डालचंद जैन एवं श्री सुरेन्द्र जैन, पिता- श्री कुन्जीलाल जैन, क्षेत्रफल 1316 व.फु., **त्यागपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 433/ 2024/2025 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री मुकेश कुमार रजक, पिता- श्री डब्बल रजक, 2. श्रीमती निशा रजक, पति- श्री मुकेश कुमार रजक,** ने भवन क्रं. एच.आई.जी.- जे.आर.-40 पिन क्र. 1000490230, **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री प्रतीत जैन, पिता- डॉ. एन.सी. जैन, भूतल 839 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 432/ 2024/2025 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती निशा रजक, पति- श्री मुकेश कुमार रजक, 2. श्री मुकेश कुमार रजक, पिता- श्री डब्बल रजक,** ने भवन क्रं. एच.आई.जी.- जे.आर.-39 पिन क्र. 1000499610, **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री अतीत जैन, पिता- श्री नेमचंद जैन, भूतल 839 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 431/ 2024/2025 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री अंकित पाण्डेय, पिता- श्री अनिल कुमार पाण्डेय** ने फ्लैट नं. सी- 314 पिन क्र. 1004032197, **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री संजीव कुमार चौकसे, पिता- स्व. श्री सीतारामजी चौकसे, तृतीयतल 1648 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 /
एम./ Q 336 दिनांक 12.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री सन्तोष चक्रवर्ती, पिता- श्री पुन्नू लाल** ने मकान नं. 2934 , सम्पत्ति पिन नं. 1000529888, **वार्ड वीरेन्द्रपुरी वार्ड ,** भूतल 400 व.फु., **शपथपत्र, वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 /
एम./ Q 335 दिनांक 10.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री ठाकुर नन्हें सिंह, पिता- स्व. श्री स्वरूप सिंह** ने मकान नं. 1824,1824/1 का भाग , सम्पत्ति पिन नं. 1000496221 का भाग, **वार्ड मदन महल वार्ड ,** क्षेत्रफल 2080 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुआं जबलपुर से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999